छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 16 ■ अंक - 156 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 13 जून 2025 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

विमान हादसे में बचा एक यात्री, अस्पताल में चल रहा इलाज, 241 की मौत

नई दिल्ली। अहमदाबाद में एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इस प्लेन में 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत 242 पैसेंजर सवार थे। हादसे में एक ब्रिटिश पैसेंजर जिंदा बच गया है। एअर इंडिया की फ्लाइट नंबर AI-171 ने गुरुवार दोपहर 1.38 बजे अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। दोपहर 1.40 बजे यह प्लेन क्रैश हो गया। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने इस हादसे पर दुख जताया है। कीर स्टार्मर ने संसद में कहा- कई ब्रिटिश नागरिकों को लेकर लंदन आ रहे प्लेन के अहमदाबाद में क्रैश होने के कई विजुअल बहुत

भयानक हैं। मुझे हर अपडेट के बारे में जानकारी दी जा रही है। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों के साथ हैं। वहीं, ब्रिटिश सांसद लूसी पॉवेल ने संसद में कहा कि ब्रिटिश सरकार एअर इंडिया विमान में सवार लोगों को हर संभव मदद मुहैया कराएगी। कई परिवार हैं, जो अपने लोगों के आने का इंतजार कर रहे हैं। यह बहुत चिंता की बात है। हम उन सभी परिवारों के लिए अपनी गहरी संवेदना जताते हैं।

पायलट के पास 8200 घंटे का एक्सपीरियंस था

फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, विमान का आखिरी सिग्नल 190 मीटर (625 फीट) की ऊंचाई पर मिला, जो उड़ान भरने के तुरंत बाद था। भारत के सिविल एविएशन रेगुलेटर छत्तइ ने बताया कि विमान ने दोपहर 1ः39 बजे रनवे 23 से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के बाद विमान ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को मेडे कॉल (इमरजेंसी मैसेज) भेजा, लेकिन इसके बाद कोई जवाब नहीं मिला। छत्तइ के अनुसार, विमान में दो पायलट और 10 केबिन क्रू सहित कुल 242 लोग सवार थे। पायलट के पास 8,200 घंटे और को-पायलट के पास 1,100 घंटे का उड़ान अनुभव था।

पहली बार क्रैश हुआ बोइंग 787 प्लेन

बीबीसी के मुताबिक यह पहली बार है जब कोई बोइंग 787 विमान क्रैश हुआ है। इसे ड्रीमलाइनर के नाम से भी जाना जाता है। बोइंग ने इस मॉडल को 14 साल पहले लॉन्च किया गया था। बोइंग ने अप्रैल में ऐलान किया था कि ड्रीमलाइनर पर 100 करोड़ लोग यात्रा कर चुके हैं। इस दौरान बोइंग 787 ने 50 लाख उड़ानें भरी हैं।विमान जिस बिल्डिंग पर गिरा, उसमें 50-60 डॉक्टर थे एयर इंडिया का विमान जिस बिल्डिंग से टकराया, वह इंटर्न डॉक्टर्स का हॉस्टल था। जानकारी के मुताबिक यहां 50 से 60 इंटर्न डॉक्टर्स थे। इससे सटे ब्लॉक में रेजिडेंट डॉक्टर्स रहते थे।

पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह दिल्ली से अहमदाबाद रवाना हो गए हैं। उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू भी उनके साथ हैं।

हल्दीराम का एजेंसी देने के नाम पर डॉक्टर से 11.25 लाख की ठगी के मामले में 3 गिरफ्तार

साइबर पुलिस ने 3 अंतर्राज्यीय साइबर ठगों को नालंदा बिहार से कब्जे में लिया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के एक डॉक्टर से हल्दीराम का एजेंसी देने के नाम पर 11.25 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी करने के मामले में साइबर थाना पुलिस ने 3 अंतर्राज्यीय साइबर ठग को नालंदा बिहार से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार डॉ. अमित असाटी का शहर के चोपड़ापारा रिंग रोड में काली मंदिर से लगा कॉम्प्लेक्स है, वे उसमें हल्दीराम की फ्रेंचाइजी खोलना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने जनवरी माह में हल्दीराम की वेबसाइट से जानकारी लेकर दिए गए फोन नंबर पर संपर्क किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने स्थल का फोटो व्हाट्सएप पर भेजने कहा था। डॉक्टर ने जब फोटो भेजा तो उसने कहा कि फ्रेंचाइजी मिल जाएगी, लेकिन प्रक्रिया शुरु करने के लिए आवेदन शुल्क 4 लाख 75 हजार रुपये तथा सिक्योरिटी मनी 6 लाख 50 हजार रुपये जमा करना होगा। इसके बाद कथित फ्रेंचाइजी प्रतिनिधि के द्वारा बताए गए खाते में 28 व 29 जनवरी को उन्होंने उक्त रकम को ट्रांसफर कर दिया था। डॉक्टर ने पूरे मामले की जानकारी अपने दोस्त को दी, जिस पर उसने ठगी होने की आशंका जताई। डॉक्टर ने जिस खाते में रुपये ट्रांसफर किए थे, उसका डिटेल निकलवाया तो पता चला कि उक्त एकाउंट बिहार के गया निवासी एक व्यक्ति के नाम पर है। डॉक्टर ने ठगी की रिपोर्ट 31 जनवरी को कोतवाली थाना अंबिकापुर में दर्ज कराई थी।

आईजी के निर्देशन में आरोपियों तक पहुंची पुलिस

आईजी दीपक झा ने उक्त प्रकरण को विवेचना के लिए साइबर थाने को दिया था। साइबर थाना पुलिस ने पूर्व में संदेही के खाते को होल्ड कराकर डॉक्टर के खाते में 5 लाख 26 हजार रुपये वापस कराया था। इसके बाद आरोपियों के तलाश में लगी थी। तकनीकी जानकारी के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने बिहार के नालंदा में दबिश देकर साइबर ठग गिरोह के रानू कुमार पिता योगेन्द्र कुमार 19 वर्ष निवासी दरवारा थाना नुरसराय नालंदा बिहार, मुन्ना कुमार पिता मुकेश रवि दास 21 वर्ष निवासी ग्राम जैतीपुर थाना चण्डी जिला नालंदा बिहार व शिवम कुमार पिता राकेश कुमार 21 वर्ष निवासी बड़ी केवाई दनियावा थाना सजाहपुर जिला नालंदा बिहार को कब्जे में लिया और इन्हें जेल भेज दिया है।

नकद सहित इन सामानों की बरामदगी

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की राशि में से 1.98 लाख नगद, 6 नग मोबाइल, 19 एटीएम, 35 बैंक पासबुक व 20 नग चेकबुक बरामद किया है।

सड़क हादसे में मां-बेटे की दर्दनाक मौत, 3 बेटियों के सिर से पिता के बाद मां का साया हटा

घटना के बाद मौके से भागे टैंकर व चालक को पुलिस अपने कब्जे में ली

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर/भटगांव। अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग में स्थित कपसरा गांव के पास बुधवार की रात को हुए भीषण सड़क हादसे में मां और 10 वर्षीय बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना वीभत्स था कि बेटे ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि मां की अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। घटनास्थल की स्थिति देखने के बाद लोग आक्रोशित हो गए, जिन्हें पुलिस ने शांत कराया। हादसे के बाद पेट्रोलियम पदार्थ से भरे टैंकर को लेकर चालक मौके से फरार हो गया, जिसे भटगांव पुलिस ने चंद घंटे में लटोरी से अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने टैंकर चालक को हिरासत में ले लिया है, और केस दर्ज करके वैधानिक कार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक उर्मिला नायक पति स्व. राममिलन नायक 30 वर्ष मटिगड़ा थाना चंदौरा की रहने वाली थी, जो नगर पंचायत जरही में स्वच्छक थी। बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए वह जरही में ही क्वार्टर लेकर रहती थी। बुधवार, 11 जून को शाम लगभग 7.15 बजे वह अपने कार्यस्थल के ड्यूटी के बाद स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीडब्ल्यू 8465 में बेटे अमन नायक 10 वर्ष के साथ घर मटिगड़ा लौट रही थी। इसी दौरान शाम करीब 8 बजे तेज रफ्तार टैंकर क्रमांक यूपी 64 जेटी 4784 के चालक ने

भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम कपसरा मुख्य मार्ग में स्कूटी को सीधे टक्कर मार दी। दोनों को एसईसीएल अस्पताल भटगांव लाया गया, यहां अमन नायक को जांच के बाद चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। उर्मिला को आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के बाद गंभीर स्थिति में चिकित्सक ने रेफर कर दिया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाते वक्त रास्ते में उसकी मौत हो गई, अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद रात्रि 9.32 बजे चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। उर्मिला सारथी की तीन पुत्री और एक पुत्र है। मां और बेटे की मौत के बाद 8 साल, 11 साल व 13 साल की बेटियों के सिर से पिता के बाद मां का साया हट गया है। पुलिस ने मां-बेटे के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है। मां-बेटे का शव गांव पहुंचने के बाद शोक का माहौल बन गया।

नपं अध्यक्ष ने हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया

बताया जा रहा है कि उर्मिला अपने गांव में मटिगड़ा में घर बनवा रही थी। बुधवार को वह सीमेंट सीट का भुगतान करने के लिए अपने बेटे के साथ गांव जाने निकली थी। घटना की जानकारी मिलते ही नगर पंचायत जरही की अध्यक्ष पूरन राम राजवाड़े ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मृतका के परिवार को हरसंभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर आर्थिक मदद और बच्चों के भरण-पोषण का भी प्रयास किया जाएगा। घटना से नगर पंचायत में भी शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग में तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि ऐसा हृदयविदारक हादसा भविष्य में न हो।

ट्रैक्टर की ठोकर से बाइक सवार 3 लोगों की मौत

लखनपुर। सड़क हादसों की बढ़ती रफ्तार पर अंकुश लगने का नाम नहीं ले रहा है। एनएच की सड़कें आए दिन दुर्घटनाओं के बीच रक्तरंजित हो रही हैं। इसी क्रम में पुनः गुरूवार को लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बेलदगी मुख्य मार्ग में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डॉयल 112 वाहन, मुक्तांजलि वाहन और पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल का दृश्य दिल को दहला देने वाला था। जानकारी के मुताबिक 12 जून, गुरुवार को दोपहर लगभग 3.30 बजे हीरो एचएफ डीलक्स क्रमांक सीजी 15 डीए 1686 में तीन लोग सवार होकर लखनपुर से ग्राम तुनगुरी जा रहे थे, इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात ट्रैक्टर वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक सवारों को ठोकर मार दिया, जिससे वे सड़क पर गिर गए। हादसे में इन्हें सिर सहित शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट आई थी, तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में विजय यादव पिता स्व. दीप नारायण यादव, सतनारायण पिता कवल साय 65 वर्ष निवासी ग्राम तुनगुरी थाना दारिमा व संजय पिता रतिराम 22 वर्ष निवासी ग्राम पेंडरखी थाना जयनगर जिला सूरजपुर बताए जा रहे हैं। पुलिस और डॉयल 112 की टीम ने तीनों मृतकों के शव को लखनपुर स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया। पुलिस ने इनके शव करे मर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस हादसे की जांच के साथ दुर्घटनाकारित ट्रैक्टर वाहन के तलाश में है। सड़क हादसे में तीन लोगों के मौत की खबर से स्वजन और ग्रामीण शोकाकुल हैं।

पीजी कॉलेज में प्रवेश हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में एनईपी के तहत स्नातक बीए, बीएससी, बी.कॉम सत्र 2025-2026 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक विद्यार्थी महाविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन 12 जून से 25 जून तक कर सकते हैं। प्रवेश की पहली सूची का प्रकाशन 26.06.2025 को किया जाएगा। स्नातक के सभी विद्यार्थियों के लिए प्रथम सेमेस्टर में संचालित पाठ्यक्रम में डिस्प्लनरी स्पेस्फिक कोर कोर्स, कोर विषय है। विद्यार्थियों को दिए गए ग्रुप में से कुल तीन कोर्स का चयन करना होगा। जेनरिक इलेक्टिव कोर्स ग्रुप व वैल्यू एडेड कोर्स ग्रुप से विद्यार्थियों को किसी एक विषय का चयन करना होगा। एईसी सभी पाठ्यक्रमों के लिए अनिवार्य विषय होगा। विद्यार्थियों से विषय का चयन सोच-समझ कर करने कहा गया है। रजिस्ट्रेशन के समय भरे गए विषय अनंतिम होंगे। प्रवेश के समय मेरिट के आधार पर उपलब्ध सीट संख्या के अनुसार विषय प्रदान किए जाएंगे। प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद यदि सीटें रिक्त रहती हैं तो पुनः रजिस्ट्रेशन की तिथि घोषित की जाएगी।

दंतैल हाथी ने ग्रामीण का घर क्षतिग्रस्त किया, उत्पात से सहमे ग्रामीण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के शिमला मैनपाट क्षेत्र में इन दिनों जंगली हाथियों के दल से बिछड़े दंतैल के द्वारा मचाए जा रहे उत्पात से ग्रामीण सहमे हुए हैं। दंतैल ने ग्राम कंडराजा के नदाइडांड में ग्रामीण अंगद राम माझी के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया और संग्रहित किए गए अनाज को खा गया। दंतैल के हरकत से ग्रामीण सहमे हैं और अपने घरों से दूरी बनाकर हाथी पर नजर रख रहे हैं। हाथी के द्वारा घरों के साथ ही फसल को भी क्षति पहुंचाई जा रही है। लगातार हाथियों का आबादी की ओर आने से वन विभाग की कार्यप्रणाली को लोग सवालों के घेरे में ले रहे हैं। कहना है कि जिले में वन विभाग हाथियों का रास्ता आबादी क्षेत्र से जंगल की ओर करने में नाकाम रहा है।

10 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना गांधीनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 10 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया हे। गस्त के दौरान पुलिस को एक व्यक्ति के द्वारा महुआ शराब बिक्री के लिए अंबिकापुर की ओर ले जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने बनारस रोड में घेराबंदी करके जब संदिग्ध व्यक्ति को कब्जे में लिया तो वह अपना नाम जयनाथ कोराम पिता शंकर साय 35 वर्ष निवासी डिगमा स्कूलपारा का होना बताया। झोला की तलाशी में 2 लीटर क्षमता वाले 5 प्लास्टिक बोतल में 10 लीटर हाथ भट्ठी महुआ शराब मिला, जिसकी कीमत 1500 रुपये है। आरोपी के पास से शराब बिक्री का 200 रुपये भी मिला है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध आबकारी एक्ट का मामला कायम करके वैधानिक कार्रवाई की है।

एसपी बंगला के सामने अफसर कॉलोनी में रहने वाले डिप्टी कलेक्टर के यहां चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कमिश्नर ऑफिस में डिप्टी कलेक्टर के शासकीय आवास का ताला तोड़कर चोरों ने नकद रकम, ज्वेलरी सहित अन्य सामानों को पार कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक डिप्टी कलेक्टर भागीरथी खाण्डे 55 वर्ष का गांधी चौक से लगे पुलिस अधीक्षक के बंगला के सामने अफसर कॉलोनी में निवास है। वर्तमान में वे कमिश्नर ऑफिस में पदस्थ हैं। 6 जून की रात को करीब 11 बजे वे अपने शासकीय आवास में ताला लगाकर अपने गृह ग्राम सकराली जिला शक्ति निजी कार्य से गए थे। 11 जून को 11.30 बजे अपने आवास में पहुंचे तो पीछे का दरवाजा खुला था। कमरे में रखा अलमारी खुला था, सामान इधर-उधर बिखरा था। शासकीय आवास से अज्ञात चोर एक एलईडी टीवी, 3 नग पर्स, 1 ट्रीमर, बेड रूम का बल्ब, 2 नग ब्लूटूथ कनेक्टेड, 2 नग वॉस बेसिन का नल, नगद रकम, ज्वेलरी ले गया था। अन्य चोरी गए सामानों का ब्यौरा उनकी पत्नी के बाहर होने के कारण अस्पष्ट है। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके चोरों को खंगालने में लगी है।

श्रम विभाग में कार्यरत महिला के घर से 1.50 लाख नकद और 2 लाख का जेवरात चोरी

देर रात तबियत बिगड़ने पर गई थी अस्पताल, 5 घंटे के अंतराल में चोर ने पूरे घर को खंगाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सूने मकान के दरवाजे का कुण्डी तोड़कर चोरों ने एक लाख 50 हजार रुपये नकद और दो लाख रुपये का जेवरात चोरी कर लिया। श्रम विभाग में कार्यरत महिला ने घटना की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम जांच, विवेचना कार्रवाई कर रही है।

श्रम विभाग में कार्यरत के ग्राम सुखरी तिलंगापारा की चिन्तामणी दास पिता मंगल दास ने पुलिस को बताया है कि 10 जून को रात 11 बजे अचानक तबियत खराब होने के कारण वह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुखरी गई थी। अस्पताल से अलसुबह 4.30 बजे घर लौटी तो दोनों दरवाजे की कुण्डी टूटा हुआ था। अंदर कमरे में रखे अलमारी को चोर खंगाल डाला था और पूरा सामान बिखेर दिया था। अलमारी में रखा एक लाख 50 हजार रुपये नकद, 2 नग सोने का मंगलसूत्र, कान का टप्स, नाक का फुलिया, 2 नग नथुनिया, चांदी का कमरधनी, हाथ का मेहंदी छल्ला, दो सेट पायल नहीं था। चोरी गए जेवरातों की कीमत करीब 2 लाख रुपये है। अलमारी और अंदर के कमरे का चाबी बिस्तर में था। घर में रखा लैपटॉप, मोटरसायकल सहित सामान को चोरों ने हाथ नहीं लगाया। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

शासकीय उचित मूल्य दुकान से चना, शक्कर चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रिखी में स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान से चना और शक्कर चोरी का मामला प्रकाश में आया है। प्रकाश महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सुकूल बाई पति रामेश्वर गोड़ 45 वर्ष निवासी रिखी ने पुलिस को बताया है कि समूह के माध्यम से ग्राम रिखी में वह सरकारी उचित मूल्य दुकान का संचालन कर रही है। 8 जून को रात में करीब 12 बजे अज्ञात व्यक्ति के द्वारा पीडीएस भवन का ताला तोड़कर 17 बोरी चना 3 बोरी शक्कर चोरी कर लिया। काफी खोजबीन के बाद भी चोरी किए गए चना और शक्कर का पता नहीं चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 331(2), 305(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

केंद्रीय चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन कल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर केंद्रीय चिकित्सालय के तत्वावधान में शनिवार 14 जून को प्रात: दस बजे से दो बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। केंद्रीय चिकित्सालय के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. निरंजन कुमार ने बताया कि रक्तदान शिविर का शुभारंभ क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह करेंगे। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान शिविर में उपस्थित हो रक्तदान करने आह्वान किया है। डॉ. निरंजन ने बताया कि रक्तदान से जरूरतमंद को समय पर रक्त देकर उसकी जान बचाई जा सकती है, जबकि रक्तदान करने वाले को भी इसका लाभ प्राप्त होता है। एक यूनिट रक्तदान से शरीर में 650 कैलोरी बर्न होती है। रक्तदान से हार्ट अटैक सहित गंभीर बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। उन्होंने बताया कि कोई भी महिला पुरुष जिसकी आयु 18 से 65 वर्ष हो और वजन 50 किलोग्राम से अधिक हो वह रक्तदान कर सकता है।

पैसों की लालच और नशे ने ली पिता की जान

जमीन बिक्री के पैसों को लेकर बेटे ने की बेरहमी से हत्या

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। रिश्तों में जब लालच और नशा घुल जाए तो उसका अंजाम कितना खौफनाक हो सकता है, इसकी बानगी बिश्रामपुर के कुमदा बस्ती में बुधवार शाम को देखने को मिली। यहां एक बेटे ने जमीन बिक्री से मिली रकम के बंटवारे को लेकर अपने ही पिता को मौत के घाट उतार दिया।

घटना न केवल दिल दहला देने वाली है, बल्कि समाज में बढ़ते पारिवारिक विघटन और नशे की लत का ज्वलंत उदाहरण भी है। बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि बुधवार की शाम करीब साढ़े चार बजे कुमदा बस्ती में निवासी 26 वर्षीय अहिवरन सिंह ने शराब के नशे में धुत होकर अपने पिता बेचन सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया। विवाद की वजह जमीन बिक्री से मिली रकम का बंटवारा थी। जब पिता ने बेटे को पैसा देने से मना किया तो आरोपी कलयुगी

बेटे अहिवरन ने पहले तो पिता की बेरहमी से लात-घूंसों से पिटाई की और जब वह अधमरा हो गया, तब उसे जमीन पर उठा कर पटक दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से बेचन सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मामले की शुरुआत में यह घटना एक सामान्य मौत का प्रतीत हो रहा था, लेकिन जब परिजनों के बयान लिए और शव का परीक्षण कराया, तब सच्चाई सामने आई। मृतक के शरीर पर गहरी चोटों के निशान और सिर की गंभीर चोट ने साफ कर दिया कि यह मामला सामान्य नहीं है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अहिवरन सिंह को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) के तहत जुर्म दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में मृतक बेचन सिंह, उसकी पत्नी और आरोपी पुत्र तीनों शराब के नशे में थे। जब पिता-पुत्र के बीच विवाद शुरू हुआ, तब घर में मौजूद किसी ने हस्तक्षेप भी नहीं किया, और नतीजा यह हुआ कि एक बेटे के हाथों पिता की जान चली गई। बिश्रामपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

मीरी पीरी के मालिक श्री गुरु हरगोबिंद साहेब का हर्षोल्लास से मना प्रकाश परब

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। गुरुद्वारा गुरु सिंघ सभा बिश्रामपुर में सिख धर्म के छठवें गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहेब जी का प्रकाश परब साध संगत व श्रद्धा भाव से मनाया गया। उनका जन्म अमृतसर के पास वडाली ग्राम में हुआ था। सभी मानव जन गुरु साहेब जी के साम्राज्य एवं आध्यात्म के धनी व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हैं। गुरु जी बाल अवस्था से ही दीन दुखियों की मदद, सहयोग में तत्पर रहते थे। साथ ही युद्ध कला में भी उनका कोई सामी नहीं था। उन्होंने दीन दुखियों व धर्म की रक्षा हेतु सेना तैयार कर सिख धर्म में सैन्य शक्ति की अवधारणा को प्रस्तुत किया।

श्री गुरु हरगोबिंद साहेब जी का प्रकाश परब मनाने में हजूरी जत्थे में करनेल सिंघ, हरदेव सिंघ, मनप्रीत सिंघ ने कीर्तन व कथा द्वारा गुरु जी के जीवन पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत मिसी रोटी व लस्सी का लंगर चलाया गया। साध संगत, महिला समिति, युवा समिति एवं प्रबंधक कमेटी ने

बड़ी ही सदभावना से सेवा की प्रबंधक कमेटी हजूरी जत्थे व सेवादारों को सेवा के लिए धन्यवाद देती है। इस दौरान सेवादार बक्सीश मान, दलजीत सिंघ, जसबीर सिंघ, परमजीत सिंघ पम्मे, सुखदेव सिंघ, रणवीर सिंघ भामरा, अवतार सिंघ मान, मंजीत सिंघ भामरा, इंदरजीत सिंघ, मंजीत सोहेल, इंदरपाल सिंघ भामरा, प्रिंसराज ढिल्लो, प्रताप सिंघ, निंदर सिंघ, शानू, निक्कू, आनंद चावला, सोनू, अंकित बग्गा, अमन बग्गा, जस्सी, परमजीत सिंघ जूनियर व अन्य मौजूद रहे।

धमतरी पुलिस ने की जुआ के खिलाफ लगातार कार्यवाही, बिरेझर में भी पकड़ाया जुआ

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। 05 जुआरियों से 19500/- रूपये जप्त कर उनके विरुद्ध चौकी बिरेझर में धारा 3(2)जुआ एक्ट एवं प्रतिबंधक धारा 170/125, 135 बीएनएस. के तहत की गई वैधानिक कार्यवाही। धमतरी पुलिस चौकी बिरेझर द्वारा मुखबिर के बताये जगह जाकर ग्राम सिर्री सिवनी के बीच खार में आम जगह पर ताश खेल रहे जुआरियों को रंगे हाथ पकड़ा गया,जो रूपये पैसे से हारजीत का दांव लगाकर ताश काट पत्ती नामक जुआ खेल रह थे,मिलने पर 05 जुआरियों के कब्जे से नगदी रकम 19500/- रू एवं 52 पत्ती ताश जप्त कर चौकी बिरेझर थाना कुरूद में अप.क्र.150/25 धारा 03(2) छ.ग. जुआ प्रतिशेध अधिनियम एवं जुआ पकड़ने के दौरान जुआरियों द्वारा हुड़दंग कर शांति भंग करने पर उनके विरुद्ध प्रतिबंधक धाराओं 170/ 125,135 क्वहस् के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मान.न्यायालय पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसा अनुसार उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 15 वर्ष से अधिक उम्र के असाक्षरों को को बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान का अध्ययन कराकर सितंबर 2025 व मार्च 2026 में आयोजित परीक्षा में शामिल कराया जाना है। इस संबंध में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन एवं सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित किया जाना है। बैठक में विकासखण्ड एवं सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड परियोजना अधिकारी, बीआरसी, संकुल प्राचार्य, ग्राम पंचायत प्रभारी/उल्लास केन्द्र प्रभारी उपस्थित रहेंगे। 18 जून 2025 को प्रात: 09:30 बजे विकासखण्ड शंकरगढ़ एवं दोपहर 02:30 बजे विकासखण्ड कुसमी की बैठक आयोजित की गई है। बैठक संबंधित विकासखण्ड मुख्यालय में होगी। इसी प्रकार 19 जून 2025 को प्रात: 09:30 बजे विकासखण्ड बलरामपुर एवं दोपहर 02:30 बजे राजपुर की बैठक होगी। 20 जून 2025 को प्रात: 09:30 बजे विकासखण्ड रामचन्द्रपुर एवं 02:30 बजे वाड्रफनगर की बैठक होगी। बैठक में जिला स्तरीय अधिकारी सहित जिला परियोजना अधिकारी एवं जिला साक्षरता प्राधिकरण के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

सीआईएल कर्मचारियों के लिए अनिवार्य ड्रेस कोड जुलाई से लागू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोल इंडिया लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। जुलाई 2025 से ड्रेस कोड अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। सीआईएल प्रबंधन ने इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी कर दिया है। यह फैसला कर्मचारियों की पहचान व कंपनी की छवि को एकरूपता देने के उद्देश्य से लिया गया है।सीआईएल के महाप्रबंधक (कार्मिक) गौतम बनर्जी द्वारा 6 जून को जारी किए गए पत्र में ड्रेस कोड की स्पष्ट समय सीमा और दिशा निर्देश निर्धारित किए गए हैं। इस आदेश की प्रति सभी सहायक महाप्रबंधकों (एपीएम) और मानव संसाधन विभाग के प्रमुखों को भेज दी गई है, जिन्हें अपने-अपने क्षेत्र में इस नीति का प्रचार-प्रसार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि 15 जून से ड्रेस कोड के लिए धनराशि का भुगतान शुरू होगा। कर्मचारियों को निर्धारित राशि कंपनी द्वारा या स्वयं वहन कर कपड़े खरीदने की अनुमति दी गई है। 14 जुलाई तक कर्मचारियों को ड्रेस को सिलवाकर तैयार रखना अनिवार्य होगा। जुलाई के अंतिम सप्ताह से सभी कर्मचारियों को ड्रेस कोड के अनुसार कार्यस्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है।हालांकि अभी तक ड्रेस के रंग, डिजाइन और सामग्री को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार यह ड्रेस कोड पेशेवर लुक को बढ़ावा देगा और हर पद के लिए अलग-अलग रंग या डिजाइन तय किए जा सकते हैं, जिससे कार्यस्थल पर अनुशासन और एकरूपता का माहौल बने। ड्रेस कोड लागू किए जाने को लेकर कर्मचारियों के बीच मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कई कर्मचारियों ने इसे स्वागत योग्य पहल बताया है, जो कंपनी की एकजुटता को प्रदर्शित करेगा, जबकि कुछ इसे व्यावहारिक कठिनाइयों के नजरिए से देख रहे हैं।सीआईएल के अधिकारी इस समय ड्रेस कोड को लेकर क्षेत्रीय स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं, जिससे सभी कर्मचारियों को इस बदलाव की जानकारी दी जा सके। साथ ही कई जगहों पर चयनित दुकानों के माध्यम से सामूहिक कपड़ा उपलब्धता और दर्जी सेवाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं।

ग्रामीण महिलाओ के लिए वरदान साबित हो रही बिहान योजना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना के अंतर्गत महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में सशक्त किया जा रहा है। भैयाथान जनपद जे ग्राम पंचायत पासल की गौरी महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरणास्पद उपलब्धि प्राप्त की है।

गौरी महिला स्वयं सहायता समूह का गठन 17 नवम्बर 2019 को 10 महिलाओं के समूह द्वारा किया। प्रारंभ में ये महिलाएं कृषक या दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती थीं। बिहान योजना के तहत ग्राम में सी.आर.पी. दीदियों के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद महिलाओं ने समूह बनाकर आजीविका गतिविधि प्रारंभ करने का निर्णय लिया। नियमित बैठकें, बचत एवं ऋण लेन-देन की प्रक्रिया को

अपनाते हुए समूह ने तीव्र गति से आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में कार्य प्रारंभ किया। समूह को रिवॉल्विंग फंड से 15 हजार सामुदायिक निवेश निधि से 60 हजार बैंक क्रेडिट लिंकेज से 3 लाख आर्थिक सहयोग शासन से प्राप्त हुआ। इन सहयोगों के माध्यम से समूह की महिलाओं ने अलग-अलग स्वरोजगार गतिविधियाँ प्रारंभ कीं, जिनमें से श्रृंगार एवं मनिहारी दुकान प्रमुख रही। समूह की सदस्य श्रीमती सीमा ने वर्ष 2019 में 75 हजार का बैंक ऋण प्राप्त कर श्रृंगार दुकान का संचालन प्रारंभ किया। प्रारंभिक पूंजी की कमी के बावजूद उन्होंने साहस और दृढ़ संकल्प के साथ व्यवसाय शुरू किया। अब उनका व्यवसाय सुचारू रूप से संचालित हो रहा है और उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है। समय पर ऋण चुकाने के बाद अब वह अपने व्यवसाय का और अधिक विस्तार करने के लिए प्रयासरत हैं। आजीविका गतिविधि के माध्यम से श्रीमती सीमा अब प्रतिमाह लगभग 13.8 हजार की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे न केवल उनका परिवार आर्थिक रूप से सशक्त हुआ है, बल्कि उन्होंने समाज में आत्मनिर्भरता की नई मिसाल भी कायम की है।

एपीसी का प्रवास : मंदरौद में विकसित कृषि संकल्प अभियान में हुई शामिल

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार आज धमतरी जिले के कुरूद विकासखण्ड के मंदरौद पहुंची। मंदरौद में श्रीमती निगार विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत आयोजित किसान शिविर में शामिल हुईं। शिविर में मौजूद किसानों को उन्होंने नई-नई तकनीकों का उपयोग कर खेती-किसानी के पारम्परिक व्यवहारों में परिवर्तन की जरूरत बताई। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने, खेती में नए प्रयोगों, फसल चक्र परिवर्तन, उन्नत बीजों आदि के बारे में इस अभियान में जानकारी दी जा रही है। विकसित कृषि संकल्प अभियान कृषि वैज्ञानिकों की प्रयोगशालाओं और फार्मों से उन्नत तकनीकों को किसानों के खेतों तक पहुंचाने का मुख्य जरिया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से प्रगतिशील किसानों द्वारा भी खेती में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी कृषि वैज्ञानिकों को मिल रही है और यह देश-प्रदेश में खेती-किसानी को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। शिविर में कलेक्टर श्री

अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव, कृषि विभाग के संयुक्त संचालक श्री गयाराम, उप संचालक श्री मोनेश साहू सहित कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक भी मौजूद रहे। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों से मौसम में हो रहे बदलाव को ध्यान में रखते हुए उन्नत और वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पानी की कमी को देखते हुए किसानों को धान को छोड़कर अन्य दूसरी कम पानी की जरूरत वाली और ज्यादा फायदा देने वाली दलहन-तिलहन की फसलें लगाना चाहिए। फसलों में खाद का ज्यादा उपयोग खेतों की सेहत को खराब कर रहा है, इसीलिए किसानों को संतुलित मात्रा में खेतों में खाद डालनी चाहिए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने किसानों से सरसों, तिल, अरहर, चना, मूंग, अलसी, कुसुम जैसी फसलों को बढ़ावा देने की सलाह दी। श्रीमती निगार ने उद्यानिकी फसलों की खेती करने, पशुपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने और मछलीपालन से अतिरिक्त आय कमाने के बारे में भी किसानों को प्रोत्साहित किया। शिविर में श्रीमती निगार ने उपस्थित प्रगतिशील किसानों से चर्चा कर अपनाए जा रहे नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने प्रगतिशील युवा किसान श्री पुष्पक साहू से पॉली हाउस में ऑर्किड फूलों की खेती के बारे में जानकारी ली। वहीं उन्नतशील पशुपालक श्री अनूप देवांगन से मुर्गी पालन कर होने वाले फायदों की भी जानकारी ली।

इस शिविर में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों के लिए तकनीकी जानकारी भी दी। नई कृषि तकनीकों का प्रसार, जैविक और प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अनुशंसित मात्रा अनुसार संतुलित उर्वरकों का उपयोग करने से लेकर किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों की भी जानकारी दी गई। शिविर में किसानों को कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मछलीपालन आदि विभागों की सरकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

जिले के 29 शिक्षकविहीन शालाओं में अब बच्चे गढ़ सकेंगे अपना भविष्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और हर बच्चे को समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिले में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई है। इस प्रक्रिया के तहत जिले की वे 29 प्राथमिक शालाएं, जो अब तक शिक्षकविहीन थीं, अब शिक्षकों से युक्त हो गई हैं।

जिला प्रशासन ने शासन के निर्देशानुसार, विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ओपन काउंसलिंग का आयोजन किया। इस काउंसलिंग के माध्यम से वरीयता क्रम के आधार पर अतिशेष शिक्षकों की नवीन पदस्थापना की गई। इस कदम से न केवल शिक्षकविहीन शालाओं की समस्या का समाधान हुआ, बल्कि दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों की शालाओं में शिक्षा की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विकासखंड प्रेमनगर के प्रा.शा. पीपरडांड में किशुन राम मराबी, राजेन्द्र कुमार जायसवाल, प्रा.शा. घोघरापारा में कुमारी मनीषा एक्का, अजहरूद्दीन अंसारी, प्रा.शा. सोहरगइडई में ललित कुमार

युक्तियुक्तकरण से हर स्कूल में पहुंचे शिक्षक

मरावी, रामेश्वर सिंह पोर्ते, प्रा.शा. कांदाबाड़ी में बैजनाथ सिंह, सोमार साय अडिल, प्रा.शा. कन्या आश्रम प्रेमनगर में श्रीमती शिमला जायसवाल, श्रीमती वंदना जायसवाल, प्रा.शा. भंडारपारा चंदननगर में श्रीमती नरबंदी कुमारी साहू, हिरेंद्र सिंह, भैयाथान के प्रा.शा. करकोटी में श्रीमती सत्यभामा, प्रा.शा. कन्या बंजा में श्रीमती गायत्री खांडा, प्रतापपुर के प्रा.शा. मरहठा में श्रीमती अनिता केरकेट्टा, श्रीमती विमला राजवाड़े, प्रा.शा. अमनदोन में श्रीमती नीलम बड़ा, रामानुजनगर के प्रा.शा. केशवपुर में श्रीमती अमृता दुबे, श्रीमती निशा दुबे प्रा.शा. लेडुवा में श्रीमती पार्वती देवांगन, श्रीमती अनिता पैकरा, प्रा.शा. तेंदुपारा, चंदरपुर में श्रीमती नीलू ठाकुर, श्रीमती संध्या गुप्ता, प्रा.शा. डगमलियापारा में श्रीमती संगीता, विनोद कुमार साहू, प्रा.शा. पंडोपारा, राजापुर में श्रीमती सुचिता उस्मानिया, श्रीमती विद्यावती सिंह,ओड़गी के प्रा.शा. मेडरियापारा, सेमरा में सुनील कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह की इस नवीन पदस्थापना से जिले में शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर प्राप्त हो रहा है।

शासन और जिला प्रशासन की इस पहल से जिले के शिक्षा परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। आने वाले समय में यह पहल शिक्षा के स्तर को और ऊँचाई तक पहुंचाएगी।

जूनापानी में पेयजल व्यवस्था पर्याप्त, जल स्त्रोतों का किया गया शुद्धिकरण

जगदलपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के दरभा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम जूनापानी में पेयजल व्यवस्था पर्याप्त है और यहां के सभी जल स्त्रोतों का ब्लीचिंग पाउडर एवं लिक्विड क्लोरीन के माध्यम से जल शुद्धिकरण किया गया है। साथ ही ग्रामीणों को साफ पानी का उपयोग, गर्म एवं ताजा भोजन का सेवन करने सहित स्वच्छता एवं साफ-सफाई के प्रति सजगता बरतने की समझाइश दी गई है। उक्त जानकारी देते हुए कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एचएस मरकाम ने बताया कि जिले के विकासखण्ड दरभा अंतर्गत जूनापानी में कुल 20 घर हैं और दो हैंडपंप कार्यरत स्थिति में हैं। इन दोनों हैंडपंप से ग्रामीणों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिल रहा है। विभाग द्वारा समय-समय पर जल की जांच जिला जल प्रशिक्षण प्रयोगशाला जगदलपुर में किया गया और प्रत्येक बार बोरिंग का जल शुद्ध पाया गया। उन्होंने बताया कि जूनापानी में उल्टी-दस्त की शिकायत के पश्चात विभाग द्वारा पुन: जल की जांच करवाई गई जिसमें जल को शुद्ध पाया गया है। इस गांव के दो कुंओं को स्थाई रूप से बंद कर दिया गया है तथा ग्रामीणों को इन कुंओं के जल का उपयोग नहीं करने की समझाइश दी गई है। ईई पीएचई मरकाम ने बताया कि जूनापानी के जल स्त्रोतों के आस पास ब्लीचिंग पाउडर डाला गया है और हैंडपंपों का भी क्लोरीनेशन किया गया है। साथ ही प्रत्येक घरों में पीने के पानी में डालकर इस्तेमाल करने हेतु लिक्विड क्लोरीन प्रदान किया गया है। इस दौरान मैदानी अमले द्वारा सरपंच, उप-सरपंच एवं अन्य पंचायत पदाधिकारियों, पंचायत सचिव और ग्रामीणों को बोरिंग का जल ही इस्तेमाल करने, पानी भरने हेतु साफ बर्तन का उपयोग करने,व्यक्तिगत सफाई का ध्यान रखने और गंदे पानी के निकासी हेतु सोख्ता गड्ढा बनाने इत्यादि के बारे में समझाइश दी गई है।

खुर्सी पार शराब दुकान हटाने के लिए बस्ती वाले हुए एक जुट, शिवसेना के नेतृत्व में महिलाओं ने किया प्रदर्शन

भिलाई, छ.ग. फ्रंटलाइन। खुर्सी पार शराब दुकान हटाने के लिए बस्ती वाले हुए एक जुट, शिवसेना के नेतृत्व में महिलाओं ने किया प्रदर्शन, प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना है कि नेशनल हाईवे किनारे शराब दुकान होने से आए दिन हादसे हो रहे और नशे में आम जनता से लूटपाट और और महिलाओं से छेड़छाड़ चाकू बाजी जैसे गंभीर अपराध रोज घट रही है, इसके साथ ही बच्चों में भी शराब पीने की लत लग है, शासन प्रशासन से मांग है ,जल्द ही शराब दुकान को हटाए । प्रदर्शनकारियों ने कहा की मांग पूरी नहीं होने पर चक्का जाम करेंगे।

डौण्डी के विकासखंड शिक्षा अधिकारी जयसिंह भारद्वाज निलंबित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता बरतने के मामले को लेकर संभागायुक्त दुर्ग ने बालोद जिले के डौण्डी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, जयसिंह भारद्वाज को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई जिला स्तरीय युक्तियुक्तकरण समिति, बालोद की जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है, जिसमें शिक्षक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी डौण्डी द्वारा गंभीर अनियमितताएं बरतने का मामला पकड़ में आया है। प्रथम दृष्टया जांच में पाया गया कि खण्ड शिक्षा अधिकारी डौण्डी द्वारा कई शिक्षकों को गलत तरीके से अतिशेष की श्रेणी में डाला गया है, जबकि नियमों के अनुसार ऐसा नहीं होना चाहिए था। श्रीमती रीता गरेवाल, जो अभी परिवीक्षा अवधि में हैं, उन्हें गलत तरीके से अतिशेष माना गया। इसी तरह श्री नूतन कुमार साहू को भी ऐसे ही हालात में अतिशेष गिना गया, जबकि स्कूल में गणित विषय का एक ही शिक्षक पदस्थ है। पूर्व माध्यमिक शाला साल्हे, धुरवाटोला और पूत्तरवाही में भी विषय और शिक्षक चयन में गंभीर त्रुटियां पाई गईं। इन सभी मामलों में श्री भारद्वाज की ओर से गंभीर लापरवाही और प्रशासनिक स्वेच्छाचारिता बरती गई।

विश्व रक्तदाता दिवस पर आरोग्य मेलों में लोगों ने ली रक्तदान की शपथ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। विश्व रक्तदाता दिवस पर छत्तीसगढ़ के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित साप्ताहिक आरोग्य मेलों के माध्यम से रक्तदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने बुधवार को विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेशभर के 3807 आरोग्य मेलों में 46 हजार से अधिक नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच करायी जिसमे करीब 10 हजार से अधिक नागरिकों ने रक्तदान की शपथ ली तथा यह संकल्प दोहराया कि आवश्यकता पड़ने पर किसी भी जरूरतमंद को समय पर रक्तदान कर जीवन बचाने में योगदान देंगे।

इस वर्ष की थीम के अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में रक्तदान पंजीकरण, शपथ समारोह, जागरूकता रैलियाँ एवं रक्तदाता सम्मान जैसे आयोजन संपन्न हुए। ग्राम पंचायतों में सरपंचों के मार्गदर्शन में भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे यह जनसहभागिता गाँव-गाँव तक पहुँची। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पोस्टर प्रदर्शनी, रक्तदान प्रेरणा रैली तथा आदर्श रक्तदाताओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। लोगों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे मानवीय सेवा का पर्व बना दिया।

विभाग द्वारा बताया कि यह सामाजिक चेतना और सेवा भाव का प्रमाण है। हमारा लक्ष्य है कि रक्तदान को हर जिले, ब्लॉक और पंचायत स्तर पर जीवनदायिनी पहल के रूप में स्थापित किया जाए।ह्व प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान केवल जागरूकता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने इसे एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। सहभागी निर्माण की यह प्रक्रिया आने वाले समय में प्रदेश को आत्मनिर्भर रक्तदान तंत्र की दिशा में मजबूती देगी। रक्तदान न सिर्फ जीवन बचाता है, बल्कि समाज में करुणा, सहयोग और सेवा की भावना को भी सुदृढ़ करता है। कोई भी स्वस्थ व्यक्ति हर 3 से 4 महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है और यह शरीर के लिए सुरक्षित है।

जल संसाधन विभाग में नए एसओआर का क्रियान्वयन शुरू

इंजीनियरों के लिए आयोजित हो रही हैं प्रशिक्षण कार्यशालाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप जल संसाधन विभाग के कार्यों में पारदर्शिता और क्रियान्वयन में तेजी लाने के उद्देश्य से नवीन दर अनुसूची (एसओआर) को एक मई 2025 से लागू कर दिया गया है। जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में सभी तकनीकी अधिकारियों को नवीन एसओआर को लेकर प्रशिक्षण दिए जाने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन के साथ ही उप अभियंताओं को एसओआर बुकलेट की नवीन प्रति भी उपलब्ध करा दी गई है। जिसका उपयोग उप अभियंता निर्माण कार्यों के मूल्यांकन में कर रहे हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि नवीन एसओआर की संरचना पूर्व एसओआर से काफी भिन्न है। इसको ध्यान में रखते हुए विभागीय सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो के मार्गदर्शन में तकनीकी कठिनाइयों के समाधान हेतु राज्यभर में कार्यशालाओं का आयोजन भी जल संसाधन विभाग द्वारा किया जा रहा है। अब तक बिलासपुर, जांजगीर और दुर्ग जिलों में कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस पर कोण्डागांव में अभियान, दो बच्चों का रेस्क्यू

पूरे प्रदेश में चला विशेष अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बाल श्रम की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे प्रयासों को प्रदेश स्तर पर सख्ती के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रशासनिक प्रतिबद्धता, जन-जागरूकता और कड़ी निगरानी के माध्यम से बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और गरिमामय जीवन की ओर अग्रसर करने का संकल्प लिया गया है। कोण्डागांव जिले में कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना के मार्गदर्शन में श्रम विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई, पुलिस व चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम द्वारा बाल श्रमिकों और भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों के चिन्हांकन और पुनर्वास के लिए अभियान चलाया गया। ढाबों, होटल, मोटर गैरेज, दुकानों में निरीक्षण कर संचालकों को समझाइश दी गई। दो बच्चों को रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिन्हें परिवार के पास सुरक्षित पुनर्वासित किया गया तथा शिक्षा विभाग के माध्यम से स्कूल से जोड़ा जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ में बाल श्रम उन्मूलन के लिए जिलेवार अभियान चलाया गया। महासमुंद और कोण्डागांव सहित विभिन्न जिलों में प्रशासन, श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस तथा बाल संरक्षण इकाई के संयुक्त प्रयासों से बाल श्रमिकों की पहचान, पुनर्वास और जन-जागरूकता की दिशा में व्यापक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। महासमुंद में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए निर्देश दिए कि जिले में बाल श्रम की किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संयुक्त जांच दल को होटल, ढाबा, निर्माण स्थल, दुकानों एवं अन्य संभावित स्थलों पर निरीक्षण करने कहा। साथ ही विकासखंड स्तर पर बाल श्रम विरोधी रैली, पोस्टर प्रदर्शनी और स्कूलों में विशेष सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। बाल श्रमिकों के पहचान हेतु 15 जून से 30 जून तक जिले में विशेष अभियान चलाया जाएगा। कलेक्टर ने बाल संरक्षण समिति की मासिक बैठक आयोजित कर सतत समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल से बाहर रह रहे बच्चों को पुनः स्कूल में लाया जाएगा और उनके परिवारों को शासकीय योजनाओं से जोड़ा जाएगा। बाल श्रम की रोकथाम हेतु बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 13, 14 व 15 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रम पदाधिकारी डी.एन. पात्र ने बताया कि वर्ष 2024 में 92 संस्थानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें से 14 के विरुद्ध श्रम न्यायालय में अभियोजन दायर किया गया। न्यायालय ने 9 संस्थानों को 5-5 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। वहीं 2025 में अब तक 52 संस्थानों का निरीक्षण हुआ, जिसमें 12 संस्थानों पर सूचना बोर्ड न लगाने पर अभियोजन दायर किया गया है। 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का नियोजन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है।

डीडी नगर में बढ़ते अपराध से दहशत, पुलिस पर लापरवाही के आरोप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। राजधानी के डीडी नगर क्षेत्र, खासकर रोहिणीपुरम गोल चौक के आसपास मोबाइल लूट और चाकूबाजी की घटनाओं में तेजी से इजाफा हो रहा है। स्थानीय नागरिकों और पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस की सुस्ती और लचर निगरानी के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। वहीं, लगातार हो रही वारदातों के बावजूद 15 दिन बीत जाने के बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, जिससे लोगों में नाराजगी है।

दिन-दहाड़े लूट, कैमरे में कैद लेकिन कोई कार्रवाई नहीं

लोकमान्य सोसायटी, रोहिणीपुरम के निवासी वैदुर्य निगम से मोबाइल लूट की घटना 28 मई को हुई थी। पास की एक मेडिकल स्टोर के सीसीटीवी फुटेज में सफेद स्कूटर पर सवार, मुंह ढंके हुए आरोपी की तस्वीर कैद भी हुई, लेकिन फुटेज की कम गुणवत्ता और अधिक स्पीड के कारण स्कूटर का नंबर साफ नहीं दिख पाया। शासन द्वारा लगाए गए उउळश कैमरे भी नाकाफी साबित हो रहे हैं, क्योंकि उनमें नंबर प्लेट तक पढ़ने की क्षमता नहीं है।

एक दिन में दो वारदात, कोई एफआईआर नहीं

उसी दिन, टाटीबंध निवासी ओमप्रकाश साहू से भी डी.डी. नगर सेक्टर-1 के पास मोबाइल लूट की घटना हुई थी। उन्होंने भी लिखित शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

महिलाएं असुरक्षित, अंधेरे में बढ़ रहे अपराध

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में प्राप्त रौशनी की कमी और खराब स्ट्रीट लाइट्स के कारण अंधेरे का फायदा उठाकर अपराधी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। महिलाएं खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इस क्षेत्र से गोल चौक से साइंस कॉलेज तक अक्सर वीवीआईपी मूवमेंट होता है, लेकिन इसके बावजूद अपराधियों पर कोई नकेल नहीं कसी जा रही है, जो पुलिस प्रशासन की लापरवाही और उदासीनता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री साय ने गुजरात विमान दुर्घटना पर जताया शोक

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुजरात के अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना को अत्यंत हृदयविदारक और दुखद घटना बताया है। उन्होंने इस भीषण दुर्घटना में मृत यात्रियों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए उनके परिजनों को इस दुख की घड़ी में संबल और शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

गुजरात से बिहार लौट रहे युवक का रेलवे ट्रैक पर मिला शव.....

संवाददाता

मोहनलालगंज। मंगलवार की सुबह निगोहां के बघौना गांव के पास रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई मृतक की पहचान लखनऊ पुलिस और जीआरपी द्वारा की गई जो आधार कार्ड के माध्यम से संभव हुई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है सूत्रों के अनुसार, मृतक युवक रंजन शर्मा जो एक इलेक्ट्रिशियन का काम करता था गुजरात से अपने घर बिहार लौट रहा था रंजन का शव मंगलवार सुबह रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला परिजनों ने बताया कि वह बिहार के शिवांग जिला के मिजार्पुर थाना क्षेत्र के निवासी थे शव के पास एक आधार कार्ड मिला था, जो उनके चचेरे भाई का था जिससे पुलिस को जानकारी मिली और लखनऊ में रह रहे चचेरे भाई कमलेश ने उसकी शिनाख्त की पुलिस के अनुसार, मौत की वजह ट्रेन से गिरने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसके लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है रंजन की मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को लिखा पत्र

अवैध घुसपैठियों को शीघ्र निकालने हेतु कानूनी सुधारों की मांग

2016 तक के आंकड़ों में 2 करोड़ से अधिक अवैध घुसपैठ, लेकिन निर्वासन नगण्य: टल्एअ के आंकड़ों के आधार पर डॉ. सिंह ने ठोस कार्यवाही का किया आह्वान

संवाददाता

लखनऊः देश की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और जनसांख्यिकीय संरचना की रक्षा के उद्देश्य से, सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने भारत सरकार के कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को पत्र लिखकर देश में रह रहे अवैध प्रवासियों की शीघ्र और प्रभावी वापसी सुनिश्चित करने हेतु व्यापक कानूनी एवं संस्थागत सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया है।

डॉ. सिंह ने गृह मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत ऐतिहासिक आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा 1997 में भारत में 1 करोड़ से अधिक अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या दर्ज की गई थी। 2004 तक यह आंकड़ा बढ़कर 1.2 करोड़ हो गया। 2016 में यह संख्या 2 करोड़ से अधिक हो चुकी थी।और 2025 में यह वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक मानी जा रही है। इसके बावजूद, कानूनी जटिलताओं, संवैधानिक प्रावधानों के दुरुपयोग (विशेषकर अनुच्छेद 21 - जीवन के अधिकार), और लंबी अदालती प्रक्रिया के चलते निर्वासन की गति लगभग नगण्य रही है। डॉ. सिंह ने विशेष रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा एनजीओ और एक्टिविस्ट वकीलों की मदद से कानूनी प्रक्रिया को खींचने के तौर-तरीकों को रेखांकित किया।

'यह मात्र घुसपैठ नहीं, बल्कि एक मौन आक्रमण है, जो हमारे रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक ताने-बाने और जनसंख्या-संरचना को कमजोर कर रहा है।' - डॉ. राजेश्वर सिंह

इस राष्ट्रीय संकट से निपटने के लिए, डॉ. राजेश्वर सिंह ने 6 बिंदुओं पर आधारित व्यापक कानूनी एवं प्रशासनिक सुधार एजेंडा प्रस्तुत किया है, जिसे उन्होंने माननीय कानून मंत्री श्री मेघवाल के नेतृत्व में शीघ्र लागू किए जाने की अपील की है।

प्रस्तावित प्रमुख सुधार बिंदु:

1. विदेशी अधिनियम, 1946 में संशोधन

निर्वासन की स्पष्ट समय-सीमा और प्रक्रिया निर्धारित की जाए।

जिलाधिकारियों को सीधे तौर पर निर्वासन आदेश जारी करने का अधिकार दिया जाए।

2. विशेष आव्रजन न्यायाधिकरणों की स्थापना

प्रत्येक राज्य में त्वरित सुनवाई हेतु विशेष ट्राइब्यूनल गठित किए जाएं।

3. केंद्रीय पहचान फ्रेमवर्क (Central Identification Framework) का निर्माण NRC/NPR को आधार, मोबाइल ट्रैकिंग और AI तकनीकों से जोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाए।

अवैध प्रवासियों की एक राष्ट्रीय केंद्रीकृत डाटाबेस तैयार की जाए, जिसे सभी सुरक्षा एजेंसियों से साझा किया जाए।

4. प्रशासनिक क्षमता का सशक्तिकरण

सीमा एवं संवेदनशील राज्यों में नए डिटेंशन सेंटर्स बनाए जाएं।

स्थानीय पुलिस को सत्यापन, गिरफ्तारी और केंद्र के साथ समन्वय के विशेष अधिकार प्रदान किए जाएं।

5. राष्ट्रीय आव्रजन नियंत्रण अधिनियम (National Immigration Control Act) सभी मौजूदा कानूनों और नियमों को एकीकृत कर एक व्यापक कानून बनाया जाए।

अनुच्छेद 21 के दुरुपयोग को रोकने हेतु स्पष्ट प्रावधान किए जाएं।

6. निर्वासन मामलों के लिए न्यायिक दिशा-निर्देश

बार-बार की याचिकाओं, अनावश्यक रोक और स्थगन आदेशों पर रोक लगे।

केवल दुर्लभ, मानवीय मामलों में ही अदालत हस्तक्षेप करे; अन्यथा राज्य की कार्रवाई बाधित न हो।

वैश्विक उदाहरण और भारत की स्थिति:

डॉ. सिंह ने उदाहरण देते हुए कहा कि पाकिस्तान ने एक वर्ष के भीतर 8 लाख से अधिक अफगानों को वापस भेजा, जबकि भारत में 2 करोड़ से अधिक अवैध प्रवासी वर्षों से देश की व्यवस्था में सेंध लगाए बैठे हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप भी इस चुनौती से जूझ रहे हैं, परंतु अब भारत को नेतृत्व करना होगा और कठोर किंतु संवैधानिक कार्रवाई करनी होगी।

'हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था संप्रभुता की कीमत पर नहीं चल सकती। अब हमें तेज, ठोस और निष्पक्ष प्रणाली की आवश्यकता है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करे।' - डॉ. राजेश्वर सिंह

डॉ. सिंह ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री के मार्गदर्शन तथा कानून मंत्री मेघवाल के नेतृत्व में भारत इस चुनौती से सफलतापूर्वक निपटेगा और अवैध घुसपैठियों के विरुद्ध एक न्यायसंगत, प्रभावी तथा संवैधानिक प्रक्रिया स्थापित करेगा।

मटेरा बाजार में काका होटल द्वारा उड़ाई जा रही सुरक्षा मानकों की धज्जियां

सड़क की फुटपाथ पर जलाई जाती है अवैध गैस भट्टीयां

संवाददाता

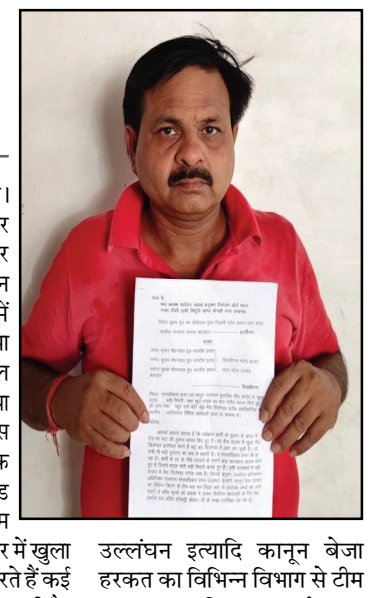

रिसिया, बहराइच। शिकायतकर्ता विनोद कुमार के अनुसार मानवधिकार हनन एवं कानून उल्लंघन मुताबिक बीच बाजार में खुला भट्ठा बड़ी चिमनी तथा खुले सड़क पर चाट स्टॉल कायम किये हुए की जांच तथा बहुत सारे छोटे बड़े-गैस सिलेण्डर स्टॉक असंवैधानिक रूप से दुकान के बगल में रोड पर चाट की दुकान कायम किए हुए हैं। जो बीच बाजार में खुला गैस सिलेण्डर इस्तेमाल करते हैं कई बार सिलेण्डर में आग लग चुकी है। जो कभी भी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है व मानवाधिकार हनन भी हो रहा है। बड़ा कारखाना कायम किये हुए हैं जिसमें भट्ठा रूपी बड़ी चिमनी बनाये हुए हैं। इसी कारखाने में बड़ी तादाद में गैस सिलेण्डर स्टॉक जमा है। जिस से प्रदूषण उल्लंघन अग्निशमन अधिनियम उल्लंघन मानवाधिकार हनन उल्लंघन इत्यादि कानून बेजा हरकत का विभिन्न विभाग से टीम बना कर शिकायतकर्ता द्वारा शिकायती पत्र में मांग की गई है। जिला स्तर से उपरोक्त तथ्यों का जांच कराने व अवैध मामले को प्रकाश मे लाकर वैधानिक कार्यवाही की जाए। शिकायतकर्ता विनोद कुमार के द्वारा प्रार्थना पत्र उ०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भवन नम्बर टीसी 12वी विभूति खण्ड गोमती नगर लखनऊ को लिखा गया है।

महिला ने पति और दोस्त संग मिलकर प्रेमी की थी हत्या

सर्विसलांस से खुला विजय हत्याकांड का राज, पुलिस ने आरोपियों को भेजा जेल

संवाददाता

लखनऊ। बीती शनिवार रात प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमिका ने प्रेमी को घर बुलाकर पहले शराब पिलाई फिर प्रेमिका ने पति और दोस्त के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतार दिया था। जिसको लेकर पुलिस सर्विसलांस टीम की मदद से साक्ष्य एकत्रित कर बुधवार को पुलिस टीम ने मिले साक्ष्यों के आधार पर महिला समेत तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम अहिंडर में बीते शनिवार रात प्रेम प्रसंग के चलते प्रेमिका ने पति और दोस्त के साथ मिलकर प्रेमी विजय को मौत के घाट उतार दिया था। दरअसल दोनों के कई वर्षों से संबंध थे। इस बीच महिला

पुलिस गिरफ्त में हत्या के तीन आरोपी – फोटो

का प्रेम प्रसंग एक नए युवक से भी हो गया था। महिला के विजय से संबंधों की जानकारी उसके पति को भी हो गई थी। महिला का राज खुलने पर महिला ने पति को विश्वास दिलाया और फिर दोस्त के साथ मिलकर विजय की हत्या की साजिश रची और उसके बाद प्रेमिका ने पति और दोस्त के साथ मिलकर प्रेमी विजय को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने डॉग स्क्वायड सहित अन्य टीमों ने साक्ष्यों और बयानों के आधार पर हत्याकांड का खुलासा कर पुलिस ने महिला उसके पति और दोस्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

रहीमाबाद इंस्पेक्टर आनंद द्विवेदी ने बताया कि महिला कुंती उसका पति रामभजन और दोस्त जब्बार है। काफी वर्षों से कुंती और के विजय के बीच प्रेम संबंध थे। इसकी जानकारी कुछ दिन पहले उसके पति रामभजन को हुई। पति विरोध करता था। इसके बाद रामभजन के करीबी जब्बार से कुंती की दोस्ती हो गई। जब्बार, रामभजन के घर अक्सर आने-जाने लगा। विजय इस बात को लेकर प्रेमिका कुंती से इसका विरोध करता था। उधर, पति को विश्वास में लेने की रणनीति बनाई।

मिलने के लिए बुलाया था प्रेमिका ने

प्रेमिका ने जिसके बाद उसने पति और अगले प्रेमी जब्बार के साथ मिलकर कुंती ने विजय को फोन कर रात में अपने घर बुलाया। जिसके बाद बनाई गयी रणनीति के अनुसार उसको मौत के घाट उतार दिया। और शव विजय के घर के निकट रामचंद्र के घर के बाहर फेंक दिया।

प्रेमिका के पति और दोस्त ने की थी हत्या

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि पहले प्रेमिका कुंती ने शराब पिलाई, फिर दुपट्टे से गला कसा और रेत दिया।

जब वह शराब के ज्यादा नशे में हो गया तब उसका पति और दोस्त जब्बार आ गया। तीनों ने मिलकर उसको मौत के घाट उतार दिया। और शव को उसके घर के पास फेंक दिया था।

यूपी में 21 राजमार्गों को बनाया जाएगा फोर लेन

संवाददाता

लखनऊ। यातायात जाम की समस्या को समाप्त करने के लिए प्रदेश के 21 राज्य राजमार्गों को 14 से 25 मीटर चौड़ा कर चार लेन में विकसित किया जाएगा। अभी इनमें से ज्यादातर राज्य राजमार्ग सात से 14 मीटर चौड़े हैं। लोक निर्माण विभाग ने इन राज्य मार्गों का सर्वेक्षण करके शासन को इन्हें चार लेन में तब्दील करने संबंधी प्रस्ताव भेज दिया है। इन राज्य राजमार्गों में तीन वाराणसी व दो राज्य राजमार्ग हरदोई से संबंधित हैं। लोक निर्माण विभाग का विभागीय मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी राज्य राजमार्गों को चौड़ा करने का निर्देश दिए थे। वर्तमान में प्रदेश में 142 राज्य राजमार्ग हैं। इनमें से 21 राज्य राज्यमार्गों को चार लेन में विकसित करने सहित 107 राज्य राजमार्गों को चालू वित्तीय वर्ष में 10 चौड़ा करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। सरकार की कोशिश है कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों को चार लेन मार्गों से जोड़ा जाए। इसी सिलसिले में अमेठी के जिला मुख्यालय को चार लेन मार्ग से जोड़ने के लिए जगदीशपुर राज्य राजमार्ग को सात से 22 मीटर चौड़ा किया जाएगा। इससे सुलतानपुर, प्रतापगढ़, रायबरेली का सीधा संपर्क अमेठी से हो सकेगा। इसी प्रकार बहराइच भिन्गा सिरसिया चौधरी डीह मार्ग को चार लेन में विकसित किया जाएगा। कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे व कृषि विश्वविद्यालय को चार लेन मार्ग से जोड़ने के लिए देवरिया-कसवा पडरौना राज्य राजमार्ग को चार लेन में बनाया जाएगा। जालौन में दस वर्षों से लटके पनवाड़ी राज्य राज मार्ग को भी चार लेन में विकसित किया जाएगा। इसका कार्य दस वर्ष पहले शुरू किया गया था, कुछ भाग बनने के बाद शेष भाग का कार्य रुका था। इसके अलावा हरदोई के बिलग्राम उन्नाव-प्रयागराज मार्ग व बीएसए राज्य राजमार्ग को चार लेन में विकसित किया जाएगा। इन मार्गों पर दुर्घटना ज्यादा होने के कारण इन्हें चार लेन में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इन दोनों मार्गों के चार लेन में विकसित होने के बाद कानपुर, उन्नाव, प्रयागराज, कन्नौज व बरेली तथा शाहजहांपुर की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। वहीं वाराणसी के चौबेपुर मार्ग, वाराणसी-कछवां मार्ग व कछवां से चौबेपुर मार्ग को चार लेन में निर्मित किया जाएगा।

इन राज्य राजमार्गों को भी चार लेन में बनाया जाएगा

फरुर्खाबाद का फतेहगढ़-गुरसहाय गंज मार्ग, लखनऊ का गोसाईगंज-बनी-मोहान मार्ग, उन्नाव का बिलग्राम-उन्नाव-बिलग्राम मार्ग, बुलंदशहर का मुरादाबाद-बुलंदशहर मार्ग, मेरठ का बडौत-मेरठ मार्ग, सोनभद्र का लुंबनी मार्ग, मुरादाबाद का मुरादाबाद-बुलंदशहर मार्ग, संभल का बुलंदशहर मार्ग, मुजफ्फजर नगर का खटीमा मार्ग, चंदौली का कंचनपुर-मधुपुर मार्ग व जौनपुर का प्रयागराज-गोरखपुर मार्ग।

सम्पादकीय

जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को रिमॉडल करने की जरूरत

गरीबी कम करने के साथ भारत ने जनसंख्या को नियंत्रित करने में भी शानदार प्रगति की है। भारत में प्रजनन दर में काफी कमी आई है। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी नई जनसांख्यिकी रिपोर्ट में कहा है कि चालू वर्ष के अंत तक भारत की जनसंख्या 1.46 अरब पहुंचने का अनुमान है, जो दुनिया में सर्वाधिक होगी। अभी सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश चीन है और भारत दूसरे नंबर पर है। दोनों मुल्कों की जनसंख्या में मामूली अंतर है। कुछ समय पहले ऐसी खबर भी थी कि भारत चीन को पछाड़ कर सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है, हालांकि इसकी केंद्र सरकार ने पुष्टि नहीं की थी। 'वास्तविक प्रजनन संकट' शीर्षक वाली यूएनएफपीए की 'विश्व जनसंख्या स्थिति (एसओडब्लूपी) रिपोर्ट 2025' घटती प्रजनन क्षमता से घबराने के बजाय अपूर्ण प्रजनन लक्ष्यों पर ध्यान देने का आह्वान करती है। इसमें कहा गया है कि लाखों लोग अपने वास्तविक प्रजनन लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि भारत की कुल प्रजनन दर प्रतिस्थापन दर से नीचे आ गई है। जनसंख्या में पीढ़ीगत वृद्धि के लिहाज से प्रतिस्थापन दर से प्रजनन दर का कम होना सुखद भी है व चिंताजनक स्थिति भी है। रिपोर्ट में पाया गया है कि भारत की कुल प्रजनन दर घटकर प्रति महिला 1.9 जन्म रह गई है, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से नीचे है। इसका अर्थ यह है कि औसतन भारतीय महिलाएं एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक (प्रतिस्थापन दर) जनसंख्या का आकार बनाए रखने के लिए आवश्यक संख्या से कम बच्चे पैदा कर रही हैं। प्रजनन दर में कमी आने से सरकार को जनसंख्या नियंत्रण में मदद मिलती है, लेकिन पीढ़ीगत आबादी की दर को भी बनाए रखने की जरूरत है और यह जरूरत प्रजनन क्षमता सुधरने से पूरी होगी। रिपोर्ट में जनसंख्या संरचना, प्रजनन क्षमता और जीवन प्रत्याशा में महत्वपूर्ण बदलावों का भी खुलासा किया गया है, जो एक बड़े जनसांख्यिकीय परिवर्तन का संकेत है। जन्म दर में कमी के बावजूद, भारत की युवा जनसंख्या अब भी महत्वपूर्ण बनी हुई है, जिसमें 0-14 आयु वर्ग में 24 प्रतिशत, 10-19 आयु वर्ग में 17 प्रतिशत तथा 10-24 आयु वर्ग में 26 प्रतिशत युवा हैं। देश की 68 प्रतिशत जनसंख्या कामकाजी आयु (15-64) वाली है, जो पर्याप्त रोजगार और नीतिगत समर्थन के साथ संभावित जनसांख्यिकीय लाभांश प्रदान करती है। रिपोर्ट में भारत को मध्यम आय वाले देशों के समूह में रखा गया है, जो तेजी से जनसांख्यिकीय परिवर्तन से गुजर रहे हैं, जहां जनसंख्या दोगुनी होने में अब 79 वर्ष का समय लगने का अनुमान है। भारत ने जनसंख्या नियंत्रण के लिए करीब पांच दशक से लगातार कार्यक्रम का संचालन किया है, इसमें जागरूकता से लेकर बेहतर स्वास्थ्य तक के कार्यक्रम शामिल हैं, लेकिन जन्म दर प्रतिस्थापन दर के करीब रहे तो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की जनसंख्या का आकार बनाए रखना सरल होता है। इस असंतुलन को ठीक करने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के आंकड़े का इस्तेमाल सरकार को अपनी जनसांख्यिकीय स्थिति में सुधार के लिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को रिमॉडल करने में करना चाहिए। भारत सर्वाधिक युवा आबादी वाला देश है तो यह स्तर सदा बने रहना चाहिए। चीन, जापान समेत अनेक पश्चिमी देश युवा आबादी स्तर बनाए रखने में सफल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में भारत बेहतर कर सकता है।

जयंती

अखिलेश आर्येन्दु

कबीर के सपनों का समाज बनाएं हम

> संत कबीर सत्य के आराधक थे, इसलिए निष्पक्ष बयानी से कभी दूर नहीं हटे। पढ़े-लिखे न होने के बावजूद वे ईश्वरीय ज्ञान-विज्ञान, विचार, प्रकाश से भरे हुए थे। सद्गुणों के सहज स्वीकार्यकर्ता थे, इसलिए सद्गुणों का प्रसार उनकी जिंदगी का हिस्सा बना रहा। जहां भी, जो भी दोषपूर्ण, पाखंड और अंधविश्वास से युक्त देखा, उस पर बगैर डर के चोट की। संसार में उनका किसी से न बैर-विरोध हुआ और न किसी के दोस्त बने। वे उनके मित्र थे जो सच्चे और निष्कपट थे। वे उनके दुश्मन थे जो सत्य, प्रेम, अहिंसा और न्याय से बहुत दूर थे। कबीर आज भी समाज विज्ञानी के रूप में हमारे मध्य मौजूद हैं। जरूरत है कबीर को दुराग्रहों और आग्रहों से ऊपर उठकर देखने व समझने की।

संत कबीर गृहस्थ जीवन गुजारते हुए भी समाज, धर्म, अध्यात्म और लोकधर्म के शोधन के कार्य में लगे रहे। वे समाजशोधक, साधक और सत्य के आराधक थे। सारा जीवन सद्गुणों से परिपूर्ण था। ऐसे साधु थे जिनके रोम-रोम में ईश्वरीय प्रकाश भरा हुआ था। वे उन सभी लोगों के समालोचक थे जिनकी कथनी-करनी में एकरूपता नहीं थी। पाखंड, अंधविश्वास, दोषपूर्ण सामाजिक परंपराओं, छल, छद्म और फरेब करने वालों का निडर होकर खिलाफत करते थे। किसी भी स्तर पर वे समझौतावादी नहीं थे। इसलिए वर्ग, जाति, मजहब, पंथ और सम्प्रदाय में उनकी रुचि नहीं थी। उनका जन्म चाहे जैसी परिस्थितियों में हुआ हो, जीवन-यात्रा परोपकार, समाज सुधार और सत्य के अन्वेषण में गुजरा। संघर्ष, तप, तितीक्षा और मानव जीवन के आदर्श उनकी जिंदगी के अहम व सहज हिस्से थे। गृहस्थ होते हुए भी वैरागी, तपस्वी और त्यागी थे। मानवीय सद्गुणों से भरा उनका जीवन हर किसी के लिए प्रेरक था। जीवमात्र पर दया, करुणा, प्रेम, अहिंसा और स्नेह की वर्षा उनके जीवन के आदर्श थे।

वे सत्य के आराधक थे, इसलिए निष्पक्ष बयानी से कभी दूर नहीं हटे। पढ़े-लिखे न होने के बावजूद वे ईश्वरीय ज्ञान-विज्ञान, विचार, प्रकाश से भरे हुए थे। सद्गुणों के सहज स्वीकार्यकर्ता थे, इसलिए सद्गुणों का प्रसार उनकी जिंदगी का हिस्सा बना रहा। जहां भी, जो भी दोषपूर्ण, पाखंड और अंधविश्वास से युक्त देखा, उस पर बगैर डर के चोट की। संसार में उनका किसी से न कभी बैर-विरोध हुआ और न किसी के दोस्त बने। वे उनके मित्र थे जो सच्चे और निष्कपट थे। वे उनके दुश्मन थे जो सत्य, प्रेम, अहिंसा और न्याय से बहुत दूर थे। उनका धर्म मानवता का धर्म था जिसमें मौलिकता, नवीनता, नेह और न्याय शामिल थे। उन्होंने जो कुछ कहा सत्य, प्रेम, न्याय की स्थापना, जन मन सुधार और सर्वहित के नजरिए से कहा। इसलिए किसी से उनकी व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। वे व्यक्ति की धन-सम्पत्ति की जगह, मानव मूल्यों की अहमियत से व्यक्ति को तौलते थे। वे ऐसे मूल्यवादी विचारक, सुधारवादी कवि और क्रांतिकारी समाजविज्ञानी थे, जिनकी कविताएं आज भी व्यक्ति, परिवार, समाज और हर सम्प्रदाय को सोचने पर मजबूर किया करती हैं।

वे मन की आंखों से देखते थे और दिल की जुबान से कहते थे। हर व्यक्ति में मानव मूल्यों का आधान (पिरोकर) देखना चाहते थे। पश्चिमी जगत के प्रसिद्ध विद्वान एवलिन अंडरहिल ने कबीर को महान समाज सुधारक, कवि और पंथ संस्थापक के रूप में चित्रित किया है। इसी प्रकार फ्रांसीसी विचारक गार्सा द तासी ने कबीर को एक प्रखर समाज सुधारक और कवि के रूप में चित्रित किया है। हिंदी के महान नाटककार डॉ. राम कुमार वर्मा ने संत कबीर को एक क्रान्तिदर्शी महाकवि और महामानव के रूप में माना है।

राम साहित्य के मूर्धन्य विद्वान अध्येता, फादर कामिल बुल्के ने कबीर के कृतित्व की विवेचना करते हुए लिखा है- 'ज्ञान, विज्ञान, सभ्यता और संस्कृति के प्रति कबीर का दृष्टिकोण नकारात्मक था, लेकिन हिंदी के महान साहित्यकार डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने कबीर को भक्तिकाल का शिरोमणि कवि ही नहीं महान जीवनधर्मी कर्मयोद्धा माना है। कबीर समाज से द्वैतभाव को हमेशा के

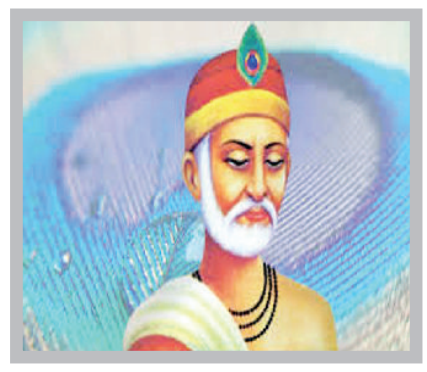

लिए मिटाना चाहते हैं। बिना द्वैत भाव मिटे न तो सांसारिक सच्चा सुख हासिल होता है और न आलौकिक सुख ही। इस पद में उनके द्वैतभाव मिटने का कितना मार्मिक चित्रण दिखाई पड़ता है-

हमन है इश्क मश्ताना हमन का होशियारी क्या।
रहें आजाद या जग से, हमन दुनिया से यारी क्या।

संत का स्वभाव हमेशा विनम्र, शांतिप्रिय और सब के प्रति स्नेह रखने वाला और सबको सुख देने वाला होता है। सज्जनता संत के स्वभाव का हिस्सा होता है। संत कबीर का स्वभाव इसी तरह का था। यही वजह है कि उनकी कविताएं मर्म को संवेदित करती हैं। संत कबीर पलायनवादी नहीं हैं। उन्होंने गृहस्थाश्रम को पूर्ण प्रतिष्ठा दी। उन्होंने समाज और परिवार दोनों की समस्याओं को दूर करने के लिए अपना सारा जीवन लगा दिया। परिवार में रहकर ईश्वर के प्रति श्रद्धा रख और भक्ति करके भी मुक्ति हासिल करने में वे यकीन करते थे। यहां तक कि अपना कार्य ईमानदारी से और एक घंटे ईश अराधना को भी पर्याप्त समझते थे। एक सच्चा संत अपने कार्यों से समाज को कितना सुखी और शांतिप्रिय बना सकता है, यह कबीर के जीवन में देखा जा सकता है। भक्तिकालीन संत कवियों में कबीर जैसा आदर्श और यथार्थवादी महामानव नहीं दिखाई देता है। इसी तरह धर्म और अध्यात्म संबंधी अंधविश्वासों, रूढ़ियों, पाखंडों और कुरीतियों को दूर करने में उनके जैसा क्रांतिकारी सामाजिक दूत दूसरा नहीं दिखता है। वे इंसानी सच्चे धर्म का पाठ पढ़ाने वाले सच्चे सद्गुरू हैं। धर्म के नाम पर किसी भी प्रकार का आडम्बर और कर्मकांड भी उन्हें स्वीकार्य नहीं था। सत्य, अहिंसा, प्रेम, न्याय, करुणा, दया, सहिष्णुता और सुचिता जैसे अनेक मूल्यों को जीवन में उतारना ही वह धर्म का पालन करना मानते थे। वह कहते हैं-

शीतलता सब जाणिये, समिता रहे समाइ।
पथ छाँड़ै निरपथ रहै, सबद न देख्या जाय।।

लोक और वेद दोनों की बात कबीर को मान्य है। भले ही वह वेद नहीं पढ़े थे लेकिन उन्हें वेद की बुराई बर्दाश्त नहीं थी। वे कहते हैं कि वेद बुरे नहीं हैं बल्कि जो वेद को बुरा कहते हैं वे बुरे हैं। कबीर मन से सच्चे थे। कर्म से सच्चे थे। वाणी से सच्चे थे। ऐसा व्यक्ति भला असत्य या पाखण्ड को कैसे बर्दाश्त कर सकता है। इसलिए उन्होंने समाज और धर्म से जुड़ी हर चीज को बहुत ही गहराई से समझा और जहां भी गदंगी देखी, उसे बगैर किसी हिचक के बता दिया। कहते हैं-बेहतर समाज बनाना चाहते हो तो पहले प्रेम-रूपी अमृत का प्याला का पान करो। सत्य का रास्ता पकड़ो और लोगों के दुख को बांटो। कबीर कहते हैं जीवन को माया के चक्करों में यूं ही बर्बाद कर दिया तो तुम्हारा जन्म लेना बेकार हो जाएगा। और एक दिन यमराज के दूत आएंगे और तुम्हें उठा ले जाएंगे। इसलिए समय रहते हुए यमराज-रूपी ठग से बचने के लिए सत्य के रास्ते से अपने कार्य करते जाओ, ईश्वर की कृपा सदैव हासिल होती जाएगी। यमराज से बचने का एक ही रास्ता है, वह है प्रभु की शरण में बिना देर किये चले जाओ।। उस अविनाशी परमब्रह्म की शरण में रहोगे तो यमराज वहां से तुम्हें नहीं उठा पाएंगे। क्योंकि यमराज भी उसी ईश्वर के आधीन हैं। आज भी कबीर के ये उपदेश उपयोगी, प्रासंगिक और सर्वहितकारी हैं। कबीर छह सौ वर्षों के बाद भी मानवता के मार्गदर्शक इसलिए बने हुए हैं कि उनके उपदेश, विचार और कार्य समाज को रोशन करने में कामयाब हैं। इसलिए आज भी वे भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में जहां भी हिंदी साहित्य और भाषा का प्रवाह है, कबीर वहां अपनी बेबाक सपाटबयानी के साथ मौजूद हैं। कबीर आज भी पूरी तरह प्रासंगिक और समाजविज्ञानी के रूप में हमारे मध्य मौजूद हैं। जरूरत है कि हम कबीर को दुराग्रहों और आग्रहों से ऊपर उठकर देखने व समझने की कोशिश करें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व पर्यावरण संरक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।

जयंती विशेष

डा. वेदपाल सिंह

संत कबीर के विचार में सामाजिक क्रांति के सूत्र

भक्ति-कालीन महान संत, महाकवि, सामाजिक क्रान्ति के पुरोधा, दार्शनिक व युगद्रष्टा कबीर साहब के जन्म को लेकर हालांकि विद्वानों में पर्याप्त मतभेद हैं। कबीरदास के प्रधान शिष्य धर्मदास ने कबीर साहेब का जन्म वि. संवत 1455 को माना है, जबकि डॉ. श्यामसुन्दर दास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल तथा पारशनाथ के अनुसार कबीर साहेब का जन्म वि. संवत 1456 ज्येष्ट शुक्ल पूर्णिमा को माना है। कांशी के पास स्थित लहरतारा तालाब को उनका जन्म स्थान माना गया है। नीरू और नीमा नामक जुलाहे दम्पति ने कबीरदास का पालन-पोषण किया। कबीरदास की पत्नी का नाम लोई था और कबीरदास के दो बच्चे थे, एक पुत्र और एक पुत्री जिनका नाम कमाल और कमाली था! हालांकि कबीर साहेब जातिवाद के खिलाफ थे लेकिन फिर भी उन्होंने खुद को जुलाहे के रूप में पेश किया। वे एक जगह कहते हैं - जाति जुलाहा नाम कबीरा बनि बनि फिरो उदासी! जिस समय कबीर साहेब का जन्म हुआ, तब देश में सिद्धों और योगियों आदि द्वारा प्रचलित अंधविश्वास फैल रहे थे। संपन्न वर्ग में भी रूढ़ियों और आडंबर की प्रधानता हो चली थी। ऐसे समय में भक्ति आंदोलन के रूप में ऐसा भारतव्यापी विशाल सांस्कृतिक आंदोलन उठा जिसने समाज में उत्कर्ष सामाजिक और वैयक्तिक मूल्यों की प्रतिष्ठा स्थापित की। कबीर साहेब ने स्वामी रामानन्द को अपना गुरु माना। कबीर दास की रचनाओं में सरल भाषा का प्रयोग किया गया है। इन्हें पंचमेल खिचड़ी अथवा सधुक्कड़ी भाषा कहा गया है। उनकी रचनाएं सिक्खों के आदि ग्रंथ में सम्मिलित की गयी हैं। 'श्री गुरु-ग्रंथ साहिब' में संत कबीर के 226 दोहे शामिल हैं। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे, इसलिए उनके दोहों को उनके शिष्यों द्वारा ही लिखा या संग्रहित किया गया था। वे स्वयं कहते हैं 'मसि कागद छुयो नहीं, कलम गही नहिं हाथ'। कबीरदास दास जीवन में गुरु की महिमा का गुणगान करते हुए कहते हैं कि सद्गुरू की कृपा बिना परमात्मा का दर्शन होना बहुत कठिन है। गुरु के बिना मानव को ज्ञान की प्राप्त नहीं हो सकती लेकिन उन्होंने पाखण्डी बाबाओं और गुरुओं से भी सावधान होने रहने की शिक्षा देते हुए कहा है कि जिसका गुरु अंधा अर्थात ज्ञानहीन है, जिसकी अपनी कोई चिंतन दृष्टि नहीं है! ऐसे गुरु का अनुयायी तो निपट दृष्टिहीन होता है। उसमें अच्छे बुरे, हित-अहित को समझने की शक्ति नहीं होती। इस तरह अंधे गुरु के द्वारा ठेला जाता हुआ शिष्य आगे नहीं बढ़ पाता।

कबीर हिन्दुओं को कहते हैं कि किसी भी देवी-देवता की आप पत्थर की मूर्ति बनाकर पूजा करते हैं जो कि शास्त्र विरुद्ध साधना है। यह हमें कुछ नहीं दे सकती। इनकी पूजा से अच्छा चक्की की पूजा कर लो जिससे हमें खाने के लिए आटा तो मिलता है । पत्थर पूजे हरि मिले तो मैं पूजूँ पहार। तातें तो चक्की भली, पीस खाये संसार। ठीक इसी प्रकार उन्होंने मुसलमानों द्वारा जोर जोर से अजान देने पर कहा कि- कांकर-पाथर जोरि के मस्जिद लई बनाय, ता चढ़ी मुल्ला बांग दे का बहरा भया खुदाय। तत्कालीन राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक परिस्थितियों ने उन्हें महान कवि बनाया। एक तरफ तो कबीर का स्वर विद्रोही है तो दूसरी ओर ब्रात्म के प्रति उनका अनन्य समर्पण है। कबीरदास को समाज के प्रति गहरी चिंता थी और इस चिंता से मुक्त होने के लिए वे समाज की विसंगतियों का पर्दाफाश किया। उन्होंने समाज में फैले जातिवाद का कड़ा विरोध किया। वे कहते हैं कि - जात न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ी रहन दो म्यान! दुनिया के महान संत, महान कवि ने संवत 1575 विक्रमी (सन 1518 ई.) को काशी के निकट मगहर में अपने प्राण त्याग दिए। ऐसी मान्यता है कि मृत्यु के बाद उनके शव को लेकर भी विवाद उत्पन्न हो गया था। हिंदू कहते हैं कि उनका अंतिम संस्कार हिंदू रीति से होना चाहिए और मुस्लिम कहते थे कि मुस्लिम रीति से। इसी विवाद के चलते जब उनके शव से चादर हट गई तब लोगों ने वहां फूलों का ढेर पड़ा देखा और बाद में वहां से आधे फूल हिंदुओं ने उठाए और आधे फूल मुसलमानों ने। महान कवि कबीरदास ने अपने जीवन में किसी तरह की शिक्षा नहीं ली थी, लेकिन उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों, कल्पना शक्ति और अध्यात्म कल्पना शक्ति के बल पर पूरी दुनिया को वो ज्ञान दिया, जिसे अमल कर आज भी मानव अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकता है। आज भी उनकी शिक्षाओं का हमारे जीवन में उतना ही महत्व है जितना कि उनके समय में था। हम उनके दिखाये मार्ग पर चलकर और उनकी दी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करें, यही उनके प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति होगी।

(लेखक शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू

सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा

संकलित

दर्शन

अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

झूठे आरोप का सामना बुद्धिमानी और धैर्य के साथ करें

महाभारत की कथा है। उस समय द्वारका में सत्राजित नाम का व्यक्ति था, वह सूर्य भक्त था। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर सूर्य देव ने उसे स्यमंतक नाम की चमत्कारी मणि दी थी। इस मणि की खास बात ये थी कि ये हर रोज बीस तोला सोना देती थी। मणि की वजह से सत्राजित बहुत धनवान हो गया था। एक दिन श्रीकृष्ण ने सत्राजित से कहा कि आप ये मणि राजकोष में दे देंगे तो राज व्यवस्था के लिए हमें भी थोड़ा धन मिल जाएगा। श्रीकृष्ण की

संकलित

प्रेरणा

बात सुनकर सत्राजित ने मणि देने से मना कर दिया। सत्राजित की ना सुनकर श्रीकृष्ण वहां से अपने महल लौट आए। सत्राजित का एक भाई था प्रसेनजित। प्रसेनजित ने अपने भाई को बिना बताए उसकी स्यमंतक मणि ले ली और जंगल में शिकार खेलने चला गया। जंगल में एक शेर ने प्रसेनजित को मार दिया और खा गया। प्रसेनजित के पास से स्यमंतक मणि वही गिर गई। इधर सत्राजित को अपना भाई और मणि दिखाई नहीं दी तो उसने पूरी द्वारका में ये खबर फैला दी कि कृष्ण ने मेरी मणि चुराई है और मेरे भाई प्रसेनजित की हत्या कर दी है। श्रीकृष्ण ने विचार किया कि इस कलंक को मिटाना होगा। जंगल में श्रीकृष्ण को शेर के पंजों के निशान दिखाई दिए। श्रीकृष्ण मणि खोजने लगे। वहीं पास में एक गुफा के बाहर कुछ बच्चे मणि से खेल रहे थे, श्रीकृष्ण ने मणि देख ली। उस गुफा में जामवंत रहते थे। श्रीकृष्ण गुफा में पहुंचे। गुफा में श्रीकृष्ण और जामवंत का युद्ध हुआ। युद्ध में श्रीकृष्ण जीते तो जामवंत ने अपनी पुत्री जामवती का विवाह श्रीकृष्ण से कर दिया और स्यमंतक मणि भी दे दी।

अंतर्मन

आज की पाती

ट्रंप की हठधर्मिता का मुकाबला करे भारत

दुनिया के सभी देश व्यापार के लिए एक-दूसरे पर किसी न किसी रूप में थोड़े बहुत निर्भर जरूर हैं। इसलिए अगर कोई भी देश खास तौर पर अमरीका जैसे व्यापार का गढ़ माने जाने वाले देश कोई आयात-निर्यात के लिए फैसला लेते हैं, तो इससे दुनिया के सभी देशों पर थोड़ा बहुत असर जरूर पड़ता है। हाल ही में अमरीका की ट्रंप सरकार ने जो टैरिफ लगाने का मन बनाया, उसने दुनिया भर को इससे प्रभावित होने का भय पैदा किया है, लेकिन इससे हमारे देश को उतना नुकसान नहीं होगा, जितना उन देशों को होगा जो पूरी तरह अमरीका पर व्यापार के लिए निर्भर हैं। अमरीका ने हमारे देश पर मात्र 26 फीसदी टैक्स, जबकि दूसरे देशों पर इससे ज्यादा शुल्क लगाया है। दवाइयों पर शुल्क कम रखा है, भारत को इसका फायदा उठाना चाहिए। ट्रंप की हठधर्मिता का मुकाबला हो। *-लखन वर्मा, धमतरी*

ट्रेंड

प्रार्थना का सौभाग्य मिला

तमिलनाडु के मदुरै में स्थित मीनाक्षी अम्मन मंदिर हमारी आध्यात्मिकता का एक प्रतिष्ठित केंद्र है और हमारी पारंपरिक वास्तुकला की भव्यता का प्रतीक है। सभी के लिए माँ की कृपा की कामना करते हुए प्रार्थना करने का सौभाग्य मिला।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

कड़ी मेहनत व इरादा जरूरी

किसी राज्य का नेतृत्व करने के लिए आपको कड़ी मेहनत और इरादे की जरूरत होती है, जरूरी नहीं कि अनुभव की। एक छोटे से गांव की मिट्टी से लेकर मुख्यमंत्री के पद तक, मेरी यात्रा लोगों के विश्वास और संघर्षों से आकार लेती है, जिन्हें मैंने प्रत्यक्ष रूप से देखा है।

-मोहन चरण माझी, सीएम, ओडिशा

राष्ट्रीय सुरक्षा

भारतीय सेनाओं के आधुनिकीकरण से लेकर स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने और सीमा सुरक्षा को बढ़ाने तक, पिछले 11 वर्षों ने राष्ट्रीय सुरक्षा को नए सिरे से परिभाषित किया है।

-रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

भाजपा आत्म-मंथन करे

भाजपा आत्म-मंथन करे और साथ ही उनके समर्थक भी कि जो लोग किसी की मृत्यु के लिए झूठ बोल सकते हैं, वो झूठ के किस पाताल-पर्वत पर चढ़कर अपने को, अपने मिथ्या-साम्राज्य का मुखिया मान रहे हैं।

- अखिलेश यादव, सपा सांसद

करंट अफेयर

हार्वर्ड में अनिश्चितताओं से जूझ रहे भारतीय छात्र

हार्वर्ड में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का कहना है कि वे ट्रंप प्रशासन की विश्वविद्यालय के खिलाफ लगातार लड़ाई के बीच अनिश्चितता और चिंता के दौर से गुजर रहे हैं। साथ ही नौकरी के अवसरों की कमी को लेकर भी फिक्रमंद हैं।हार्वड केनेडी स्कूल से पिछले महीने स्नातक हुए एक भारतीय छात्र ने नाम जाहिर नहीं होने की गुजारिश पर कहा, "यह ऐसा समय है जब हम समझ नहीं पा रहे हैं कि क्या करें, क्या हमें घर लौट जाना चाहिए, या फिर यहीं कुछ उपाय निकालने की कोशिश करनी चाहिए। हार्वर्ड में कुछ भारतीय छात्रों ने नाम नहीं जाहिर करने के आग्रह पर 'पीटीआई' से बात करते हुए पिछले कुछ महीनों के अपने अनुभवों और चिंताओं को साझा किया, जिस दौरान प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय को ट्रंप प्रशासन के लगातार हमलों का सामना करना पड़ा है। प्रशासन की कार्रवाई में 2 .2 अरब अमेरिकी डॉलर के अनुदान पर रोक लगाना, अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दाखिला देने की विश्वविद्यालय की पात्रता को रद्द करना तथा हार्वर्ड में अध्ययन या आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक विदेशी नागरिकों के प्रवेश को निलंबित करना शामिल है। आंतरिक सुरक्षा विभाग ने कहा है कि हार्वड नेतृत्व ने अमेरिका विरोधी और आतंकवाद समर्थक लोगों को प्रवेश की अनुमति देकर परिसर में असुरक्षित माहौल पैदा किया है।

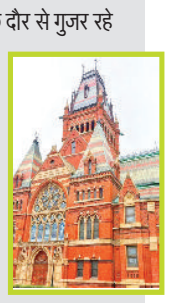

ऑफ बीट

सिर्फ कैलोरी पर नजर रखना जरूरी नहीं

वजन-समावेशी स्वास्थ्य देखभाल का अर्थ है बेहतर स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना, जिसमें वजन घटाने की आवश्यकता नहीं है। इसमें कैलोरी की संख्या के बजाय समग्र कल्याण के लिए भोजन करने जैसी प्रथाएं शामिल हैं। इसमें तनाव कम करने के लिए गतिविधियों को प्राथमिकता देना, धूम्रपान से बचना, कम शराब पीना और आनंददायक तरीकों से शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का प्रयास करना भी शामिल हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति वजन-समावेशी दृष्टिकोण वजन बढ़ने से होने वाले नुकसान को कम करने का प्रयास करता है। अधिक वजन वाले लोग अक्सर दूसरों से - जिनमें उनके अपने डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता भी शामिल हैं - भेदभाव, पूर्वाग्रह, नकारात्मक रूढ़िवादिता और अपमानजनक टिप्पणियों का सामना करते हैं विभिन्न आकारों के 40% से अधिक अमेरिकी वयस्कों ने अपने दैनिक जीवन में वजन संबंधी अपमान का अनुभव किया है। अमेरिका में लोग वजन कम करने के लिए जिस हद तक जाते हैं, उसके पीछे संभवतः इस अपमान से बचना एक प्रमुख कारण है। बाजार के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिकियों ने 2021 में वजन घटाने के उत्पादों और कार्यक्रमों पर लगभग 72 .6 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किए।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुदृढ़ीकरण के लिए कार्ययोजना तैयार

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण को सशक्त बनाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के ढांचे के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की व्यापक योजना तैयार की गई है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि यह कार्ययोजना उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में तैयार की गई है। यह प्रस्ताव शासन स्तर पर अनुमोदन के लिए प्रक्रियाधीन है, इसके लागू होने से राज्य में प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है। बयान के अनुसार, साथ ही यूपीपीसीबी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से आवेदनों की शुल्क संरचना में भी बदलाव किया जाएगा। वर्तमान में प्रचलित 12 श्रेणियों के स्थान पर अब केवल सात श्रेणियों में शुल्क वर्गीकृत किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और पारदर्शी होगी। इसके अलावा यूपीपीसीबी की कार्य प्रणाली को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के लिए आईटी और एआई टेक्नालॉजी युक्त एक पोर्टल भी विकसित किया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ ने 11 साल के परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर मोदी की सराहना की

संवाददाता

लखनऊ, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दशक को बुनियादी ढांचे में क्रांति का वह दशक करार दिया, जिसने देश को नया आकार दिया और एक विकसित भारत की नींव रखी। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा, प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में भारत के बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विकास हमें गर्व और आत्मविश्वास से भर देता है। उन्होंने कहा, विगत एक दशक में हमने विश्व स्तरीय सड़कें, रेलवे, हवाई अड्डे और अत्याधुनिक स्मार्ट शहर बनाए हैं। भारतमाला, वंदे भारत ट्रेन, अटल सुरंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी जैसी परियोजनाएं सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की एक बुलंद झांकी हैं। उन्होंने कहा, नागरिक सुविधाओं में क्रांतिकारी वृद्धि के वाहक इन सृजनकारी वर्षों में न केवल देश की तस्वीर बदली है, बल्कि विकसित भारत की आधारशिला भी मजबूत हुई है।

उत्तर प्रदेश के किसानों को मोदी सरकार की सौगात

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मूंगफली और मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की स्वीकृति दे दी है।

बुधवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई। इसमें शाही ने केंद्रीय कृषि मंत्री को अवगत कराया कि जायद 2024-25 में उत्तर प्रदेश में मूंग का आच्छादन 1.60 लाख हेक्टेयर और मूंगफली का आच्छादन 1.74 लाख हेक्टेयर रहा है। उन्होंने प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पादित जायद की मूंगफली और मूंग को एमएसपी पर खरीदने का आग्रह किया, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। जायद 2024-25 के लिए मूंग के क्रय का लक्ष्य 34,720 मीट्रिक टन और मूंगफली के क्रय का लक्ष्य 50,750 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से बड़ी संख्या में प्रदेश के किसान लाभान्वित होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी आश्वासन दिया है कि आवश्यकता पड़ने पर मूंगफली और मूंग के क्रय के लक्ष्य में वृद्धि की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, उड़द के क्रय के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसका अनुमोदन भी प्रदान कर दिया जाएगा। किसानों के हित में लिए गए इस अभूतपूर्व निर्णय के लिए कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। प्रदेश के कृषि मंत्री ने केंद्र सरकार से यह भी आग्रह किया है कि जायद में लगभग 4.80 लाख हेक्टेयर में व्यापक पैमाने पर हो रही मक्का की खेती के उत्पादन को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाए, जिससे प्रदेश के किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके।

मौसम

अधिकतम तापमान 42.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 82,530.74

निफ्टी 25,062.10

लखीमपुर में बस और वैन की टक्कर में दो युवकों समेत तीन की मौत, 12 अन्य घायल

संवाददाता

लखनऊ, लखीमपुर खीरी जिले के फरधान थाना क्षेत्र में गोला-लखीमपुर मार्ग पर लालपुर बैरियर पर मंगलवार शाम तेज रफ्तार बस ने एक वैन (एक प्रकार का वाहन) को टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई, एवं 12 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह वैन एक दर्जन से अधिक यात्रियों को लेकर पीलीभीत जा रही थी, जबकि निजी बस मोहम्मदी कस्बे से लखीमपुर आ रही थी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान सूरज (18), कल्लू (42) और संदीप (20) के रूप में हुई है। लखीमपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) रमेश त्रिपाठी ने बताया कि घायल 12 लोगों में से चार की हालत गंभीर बताई गई है और उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ ले जाया गया है जबकि अन्य का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

दूध की रखवाली के लिए बिल्ली को रखा गया

पाकिस्तान पर भड़के राजनाथ सिंह, बताया आतंकवाद की नर्सरी

एजेंसी

नई दिल्ली, भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद निरोधक पैनल का उपाध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले पर आपत्ति जताई। सिंह ने कहा कि यह फैसला बिल्ली को दूध की रखवाली करने जैसा है क्योंकि पाकिस्तान का आतंकवादियों को संरक्षण देने और उनका समर्थन करने का इतिहास रहा है। यूएनएससी के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि आतंकवाद निरोधक पैनल का गठन 9/11 के आतंकी हमलों के बाद किया गया था। पाकिस्तान ने 9/11 के हमलों के मास्टरमाइंड को पनाह दी थी। इसकी भूमि का इस्तेमाल वैश्विक आतंकवादी संगठनों के लिए शरणस्थली के रूप में किया गया है।

देहरादून में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वहां हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादी खुलेआम घूमते हैं और पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होते हैं। अब उसी देश से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक

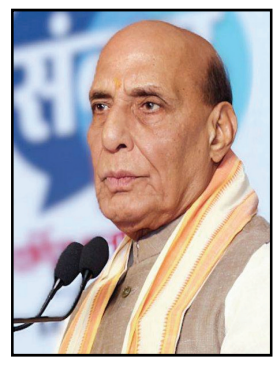

समुदाय का नेतृत्व करने की उम्मीद की जा रही है... संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कार्रवाई बिल्ली से दूध की रखवाली करने के लिए कहने जैसी है। पाकिस्तान 2025 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता करेगा और 15 देशों के संयुक्त राष्ट्र निकाय की 1373 आतंकवाद निरोधक समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादियों को पनाह दी है, उन्हें अपनी धरती पर प्रशिक्षित किया है और उनकी मदद की है। पहलगाम (हमला) तो बस एक उदाहरण है, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि पाकिस्तान द्वारा सहायता प्राप्त आतंकवादियों की सूची बहुत लंबी है। और, पाकिस्तान हमेशा आतंकवाद को सही ठहराने की कोशिश करता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम न केवल इन आतंकवादियों को बल्कि उन्हें सहायता देने वाले पूरे आतंकी ढांचे को खत्म करें।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन करता है और उसकी विदेशी सहायता का एक बड़ा हिस्सा इस समर्थन को वित्तपोषित करने में इस्तेमाल किया जाता है। सिंह ने कहा, पाकिस्तान को वित्तपोषित करने का मतलब है आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को वित्तपोषित करना। पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी है। इसे पोषित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने अन्य देशों से पाकिस्तान को धन देना बंद करने का आग्रह किया।

पुलिस अधिकारी लोक शिकायतों के निस्तारण से बचते हैं: उच्च न्यायालय

संवाददाता

लखनऊ, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक आदेश में कहा है कि पुलिस अधिकारी अक्सर जन शिकायतें प्राप्त करने और उनका निस्तारण करने से बचते हैं। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अनिल कुमार की पीठ ने कहा कि पुलिस आमतौर पर अपहरण के मामलों में उदासीनता दिखाती है क्योंकि उन पर कोई व्यक्तिगत जवाबदेही तय नहीं होती। पीठ नितेश कुमार नाम के एक व्यक्ति की रिट याचिका पर मंगलवार को सुनवाई कर रही थी।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

वंचित वर्ग के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति में देरी का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दावा किया है कि हाशिए पर पड़े समुदायों के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में देरी और विफलता की समस्या है। यह पत्र राहुल गांधी के हाल ही में बिहार के एक छात्रावास के दौरे के बाद आया है, जहाँ छात्रों ने अन्य बातों के अलावा मेस सुविधाओं की

कथित कमी के बारे में शिकायत की थी। राहुल गांधी ने 10 जून को लिखे अपने पत्र में कहा कि मैं आपसे दो महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने का अनुरोध करता हूं, जो 90% वंचित समुदायों के छात्रों के लिए शिक्षा के अवसरों में बाधा डालते हैं। सबसे पहले, दलित, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए आवासीय छात्रावासों की स्थिति दयनीय है। बिहार के दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास के हाल के दौरे के दौरान छात्रों ने शिकायत की कि एक कमरा है जिसमें 6-7 छात्रों को रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है, शौचालय गंदे हैं, पीने का पानी असुरक्षित है, मेस की सुविधा नहीं है और पुस्तकालयों या इंटरनेट तक पहुंच नहीं है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि दूसरी बात, हाशिए पर पड़े समुदायों के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में देरी और विफलताएं हैं। उदाहरण के लिए, बिहार में, छात्रवृत्ति पोर्टल तीन साल तक काम नहीं कर रहा था और 2021-22 में किसी भी छात्र को छात्रवृत्ति नहीं मिली। इसके बाद भी, छात्रवृत्ति पाने वाले दलित छात्रों की संख्या लगभग आधी रह गई, जो वित्त वर्ष 23 में 1.36 लाख से घटकर वित्त वर्ष 24 में 0.69 लाख रह गई।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा) कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

रा.प्र.क्र./अ-2/2024-25

ग्राम बेमताटोली, तहसील कुनकुरी अनुपा शशि तिर्की पति शशिकुमार तिर्की

उम्र 38 वर्ष, जाति उरांव, साकिन खारीबहार, तहसील फरसाबहार, जिला-जशपुर (छ.ग.)।.....आवेदक

बनाम

छ.ग. शासन .....अनावेदक

-::उद्घोषणा::-

एतद् द्वारा ग्राम बेमताटोली, प.ह.नं. 16 रा.नि.मं. कुनकुरी, तहसील कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.) की जनता को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका अनुपा शशि तिर्की पति शशिकुमार तिर्की, उम्र 38 वर्ष, जाति उरांव, साकिन खारीबहार, तहसील फरसाबहार, जिला-जशपुर (छ. ग.) द्वारा ग्राम बेमताटोली स्थित अपने निजी भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 222/11 रकबा 0.020 हे. भूमि पर मकान निर्माण हेतु आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पेश किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त भूमि के व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे अपना दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में सुनवाई दिनाँक 27/06/2025 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। उक्त नियत अवधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनाँक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
कुनकुरी, जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202506020700068/

विषयः- अ-27
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन्तः-2024-2025
सुभाषनगर प.ह.न. 00017 [258/2(0.7100हे०)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- आशुतोष, रमा मण्डल, तारा देवी उर्फ नेतो, सुमित्रा,
अनावेदक पक्षकार -आशुतोष, रमा मण्डल, तारा देवी उर्फ नेतो, सुमित्रा,

ईश्तहार

आवेदिका रमा मण्डल उर्फ रम्भावती मंडल पिता स्व० फूलचंद एवं पत्नी हरेन मण्डल व अन्य, निवासी सुभाषनगर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा माननीय न्यायालय तृतीय जिला न्यायाधीश, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के नियमित व्यवहार अपरीत क्रमांक 12अ/2020 में पारित आदेश दिनांक 30.04.2025 के परिपालन में ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 258/2, 258/3, 258/4, 258/5, 258/6, 258/7, 258/8, 258/9, 258/10 को पूर्ववत एकीकृत कर एवं अनावेदक क्रमांक 2 एवं 3 के द्वारा विक्रम किये गये भूमि को उनके अंश में समायोजित कर उसका विभाजन कर आवेदिकागण का खाता अनावेदकगण से पृथक किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11.07.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/06/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

प्र०क०-202506021700021/अ-27/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो० इरफान अंसारी आ० अब्दुल हमीद, निवासी ग्राम एच. नंबर 95, खरसिया नाका नवागढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम कांतिप्रकाशपुर स्थित भूमि कुल खसरा न० 12 कुल रकबा 1.1320 हे० भूमि का अनावेदक मो. फिरोज आ० मो. फारूक, निवासी ग्राम क्रातिप्रकाशपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के मध्यम खाता विभाजन कराने के संबंध में आवेदन छ०ग० भू-राजस्व संहिता संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 03/07/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/6/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202506020700043/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2024-2025
लब्जी (प ह न. 00027),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार-बाबूलाल यादव,
अनावेदक पक्षकार - बाबूलाल यादव, लीलावती, कौशल्या,

ईश्तहार

आवेदक बाबूलाल यादव आ०स्व० ममरीक निवासी ग्राम लब्जी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम लब्जी स्थित कुल खसरा नंबर 15 कुल रकबा 2.444 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में पंजीबद्ध हक त्याग पत्र के माध्यम से लीलावती एवं कौशिल्या का नाम विलोपित कर राजस्व अभिलेखो में आवेदक का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25.06.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/06/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202506020700053/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणीः- राजस्व
सन्नः- 2024-2025
फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 [40/2(0.0400हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- अलोइस टोप्पो,
अनावेदक पक्षकार - सर्वराज सिंह कल्हा,
ईश्तहार
आवेदक अलोइस टोप्पो आ० अंगनू टोप्पो निवासी ग्राम राजेन्द्रनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा न्यायालय माननीय राजस्व मंउल बिलासपुर के परिपालन में ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 40/2 मेसे रकबा 0.040 हे०भूमि के राजस्व अभिलेखो में नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 25.06.2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/06/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुभाषचन्द्र अग्रवाल आ०मांगे राम अग्रवाल निवासी अग्रसेन चौक अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की व्यपवर्तित भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 4607/34 रकबा 0.008 हे0 भूमि को अनावेदक मंजू अग्रवाल पत्नी बजरंग अग्रवाल निवासी अग्रसेन वार्ड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राषि रुपए 4,40,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 27.06.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 10/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर, सरगुजा

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क०-20250021700044/अ-27/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुसू विश्वकर्मा आ० स्व० ईश्वर मिस्त्री व अन्य निवासी ग्राम सोनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा द्वारा ग्राम सोनपुरकला स्थित भूमि खसरा न० 57/14, 32/10 रकबा कमशः 0.530, 0.261 हे० भूमि का अनावेदक बिहारी विश्वकर्मा आ. स्व. ईश्वर मिस्त्री, निवासी ग्राम सोनपुरकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ. ग. के मध्यम खाता विभांजन कराने के संबंध में आवेदनं छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा, 178 के तहत प्रस्तुत की गई है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/06/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगाँव

//ईश्तहार//

रा.प्र.क./ब-121/2024-25

आम जनता ग्राम लक्ष्मीपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका चन्दा पति शम्भू जाति पनिका निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर तहसील भटगाँव जिला सूरजपुर द्वारा पुत्र वासुदेव उर्फ सूलन का मृत्यु दिनांक 15/02/2008 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने पुत्र वासुदेव उर्फ भूलन का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रत्ति, शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 16/06/2025 मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात्प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनाक 23/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगॉव

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगाँव तहसील भटगाँव

//ईश्तहार//

रा.प्र.क./ब-121/2024-25

आम जनता ग्राम बैजनाथपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश कुमार आ. फूलचंद राम जाति पनिका निवासी ग्राम बैजनाथपुर तहसील भटगाँव जिला सूरजपुर द्वारा स्वयं का जन्म दिनांक 12/07/2000 को जन्म होने पर आवेदक द्वारा अपने स्वयं का जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रत्ति, शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 16/06/2025 मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनाक 01/05/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगॉव

जासूस बन मर्डर की गुत्थी सुलझाने निकले दिलजीत

मुंबई। एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल' का ट्रेलर मंगलवार 10 जून को रिलीज किया गया। फिल्म में दिलजीत एक जासूस की भूमिका में हैं, जो एक मर्डर केस की गुत्थी सुलझाते हैं। फिल्म में सस्पेंस का डोज है तो कॉमेडी के भी छींटे हैं। रवि छाबड़िया के निर्देशन में बनी इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी। दिलजीत एक अनोखे डिटेक्टिव के रूप में नजर आए हैं। वे फिल्म में बोमन ईरानी के किरदार के मर्डर की गुत्थी सुलझाते हैं। गंभीर किरदार को भी उन्होंने इस तरह अदा किया है कि दर्शकों को हंसने के भरपूर मौके मिलेंगे।

लाइफ Style

जैस्मिन

ताना मारने वालों को जमकर लताड़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जैस्मिन भसीन और अली गोनी अब लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं। वे कई साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। कई बार जैस्मिन को आलोचना का सामना करना पड़ता है, क्योंकि अली मुस्लम हैं और वो हिंदू।

अब इस पर जैस्मिन ने करारा जवाब दिया है और बोलती बंद कर दी है। टीवी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। टीवी का उनका सफर अब पंजाबी फिल्मों तक पहुंच गया है और वो बॉलीवुड में भी कदम रखने के लिए कमर कस रही हैं। वो अक्सर बॉयफ्रेंड अली गोनी के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में रहती हैं। उन्होंने हाल ही में इस पर बात की और धर्म के आधार पर उन्हें ट्रोल करने वालों को भी करारा जवाब दिया है। जैस्मिन ने अपने रिश्ते पर लोगों की राय पर भी चुप्पी तोड़ी। खासकर इसलिए, क्योंकि दोनों का धर्म अलग है।

उन्होंने कहा, 'ये रिश्ता हम दोनों के बीच है। हमारे बीच अंडरस्टैंडिंग है। हमने ये बातचीत की है। हम एक कॉमन ग्राउंड पर पहुंच गए हैं, हमने एक-दूसरे को वैसे ही स्वीकार कर लिया है, जैसे हम हैं। हम अपने बीच सुलझे हुए हैं। इसलिए किसी की राय मायने नहीं रखती। फिर भी, अगर लोग निगेटिव राय देते हैं, जो हमारे रिश्ते को प्रभावित कर सकती है, तो उन्हें शर्म आनी चाहिए। दुनिया को प्यार और पॉजिटिविटी की जरूरत है। अगर दो लोग खुश हैं तो दूसरे अपने बेवकूफी भरी राय अपने पास रख सकते हैं।

हॉलीवुड मसाला

निक ने मुझे छोड़ा, पसंद करती हूं

लॉस एंजिल्स। पॉप स्टार माइली साइरस कभी सिंगर निक जोनस को डेट करती थीं, जिन्होंने बाद में प्रियंका चोपड़ा के साथ घर बसा लिया। माइली साइरस ने अब एक इंटरव्यू में निक जोनस संग अपने रिश्ते और ब्रेकअप पर खुलकर बात की है। माइली अब 'समथिंग ब्यूटीफुल' से कमबैक कर रही हैं। दोनों 2009 में भी साथ थे, पर बीच-बीच में उनका रिश्ता टूटता-जुड़ता रहा। ग्रैमी अवॉर्ड विनर माइली साइरस ने कहा, 'मुझे निक जोनस पसंद है। मैं उससे प्यार करती हूं।

दुआ से 5 साल छोटी हैं हमशक्ल बहन रीना...

लॉस एंजिल्स। ग्लोबल सेंसेशन और सिंगर दुआ लीपा की बहन रीना लीपा चर्चा में हैं। उन्हें देखकर सभी हैरान हैं। फैंस का कहना है कि रीना एकदम दुआ की तरह ही दिखती हैं। हमशक्ल लगती हैं। उनके पोस्ट वायरल हो रहे हैं। बता दें कि दुआ से रीना 5 साल छोटी हैं। फेमस सिंगर दुआ लीपा की छोटी बहन रीना लीपा सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने अपनी बहन दुआ के साथ एक फोटो शेयर की और ये रातोंरात वायरल हो गई। उन्हें देखकर फैंस चौंक गए हैं। उनका कहना है कि दोनों हुबहू एक जैसी दिख रही हैं। इस पोस्ट के बाद ही फैंस को पता चला कि दुआ की एक बहन है, जो बिल्कुल उनकी तरह दिखती हैं। दोनों बहनों के वेकेशन की फोटो को 9 मिलियन से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।

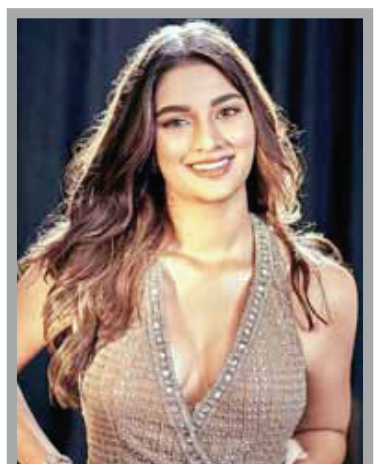

श्री महाकालेश्वर मंदिर के किए दर्शन...

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर महेश मांजरेकर की बेटी सई मांजरेकर ने मंगलवार को सोशल मीडिया हैंडल पर श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर की कुछ खास तस्वीरें और वीडियो शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक नोट भी लिखा है। फिल्म 'दबंग 3' से बॉलीवुड में अपने अभिनय कॅरियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस सई मांजरेकर ने इंस्टाग्राम पर मंदिर से अपनी कई शानदार तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं। यह सभी तस्वीरें और वीडियोज श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के हैं। उन्होंने इस खास पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 'बहुत अच्छा दिन।' श्रीमहाकालेश्वर मंदिर, उज्जैन में है। यह मंदिर भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। जहां महाकाल विराजमान हैं। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग शिव को समर्पित एक हिंदू मंदिर है और बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

द दिल्ली फाइल्स का बदला टाइटल...

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज निर्देशक और निर्माता विवेक अग्निहोत्री इस समय अपनी आगामी फिल्म द दिल्ली फाइल्स से चर्चा में हैं। हालांकि, अब इस फिल्म को नए टाइटल के साथ रिलीज किया जाएगा। डायरेक्टर ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि अब फिल्म का नाम द बंगाल फाइल्स होगा। टाइटल बदलाव के ऐलान के साथ ही निर्देशक ने 'द बंगाल फाइल्स' फिल्म को लेकर दो और बड़ी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि फिल्म का टीजर 12 जून को 12 बजे दोपहर में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म सिनेमाघरों में 5 सितंबर को दस्तक देगी। द बंगाल फाइल्स को पहले स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को रिलीज किया जाना था, जिसे अब बदल दिया गया है। विवेक अग्निहोत्री को लीग से हटकर फिल्में बनाने के लिए जाना जाता है।

टीवी मसाला

डॉक्टर सालुंखे ने छोड़ दिया सीआईडी

नई दिल्ली। टीवी की दुनिया का पॉप्युलर शो सीआईडी दर्शकों द्वारा पसंद किया जा रहा है। 1998 से 2018 तक चले इस शो को 2025 में फिर से ऑन एयर किया गया। हाल ही में शिवाजी साटम को पार्थ समथान ने रिप्लेस किया था, जिसके बाद खूब बवाल मचा था तो एसीपी प्रद्युम्न को वापस लाया गया था। अब खबर है की इस शो को डॉक्टर सालुंखे भी छोड़कर जा रहे हैं। जिसके बाद लोगों का गुस्सा मेकर्स पर फूट पड़ा है। टीवी शो सीआईडी में शिवाजी साटम, ऋषिकेश पांडे, दयानंद शेट्टी, जानवी छेड़ा, श्रद्धा मुसले, आदित्य श्रीवास्तव, नरेंद्र गुप्ता समेत अन्य कलाकार अलग-अलग किरदार में हैं। लोग नए सीजन और इसकी कहानी को भी खूब पसंद कर रहे हैं। पहले शिवाजी साटम की एग्जिट दिखाई गई। और पार्थ समथान को उनकी जगह पर कास्ट किया गया। हालांकि, बाद में कहानी में मोड़ लाया गया और डॉक्टर सालुंखे को देशद्रोही बताया गया और उनको गिरफ्तार कर लिया गया। डॉक्टर सालुंखे का किरदार नरेंद्र गुप्ता निभा रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी के बाद उनका शो से सफर खत्म हो गया है। अब वह शो में दिखाई नहीं देंगे। अब उनके जाने से फैंस नाखुश हैं। वह मेकर्स पर बेतुके ट्विस्ट लाने के कारण गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आपने सीआई 2 टीम के साथ क्या किया? आपने डॉक्टर सालुंखे को विलेन क्यों बनाया? इससे अच्छा तो आप डॉक्टर गार्गी को गद्दार बना देते।

शादी और कुंडली पर पहले दे दी थी चेतावनी

नई दिल्ली। इस समय लगभग पूरे देश में सोनम रघुवंशी के बारे में चर्चा हो रही है। उनपर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप लगे हैं। इस मामले में हर दिन, हर पल नए-नए चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इस बीच 'पंचायत' वेब सीरीज से विकास भाई का एक डायलॉग भी वायरल हो रहा है, जिसमें वो सोच-समझकर शादी करने, कुंडली और विचारों की बात कर रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए यूजर ने लिखा, 'विकास भाई तो पहले ही वार्निंग दे चुके थे।' इसमें विकास का किरदार निभाने वाले एक्टर चंदन रॉय कह रहे हैं, 'हम ये नहीं कह रहे हैं कि आप शादी कर लीजिए, लेकिन जब भी कीजिएगा ना सर, सोच-समझकर कीजिएगा। कुंडली मिले ना, विचारों का मिलना बहुत जरूरी होता है। अगर विचार नहीं मिला, तो पूरा वैवाहिक जीवन अंड का बंड (बर्बाद) हो जाता है।' इस वीडियो पर कई लोग रिएक्शन देते हुए अपनी सहमति दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'सही कहा भाई आपने, मैं आपसे सहमत हूं।'

मानुषी संग रोमांस करते दिखे राजकुमार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार इस वक्त अपनी आगामी फिल्म 'मालिक' से चर्चा में हैं, जिसमें एक्टर गैंगस्टर लुक में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का दर्शकों का बड़ी बेसब्री से इंतजार है। अब निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'नामुमकिन' रिलीज किया है। इस गाने के जरिए मिस वर्ल्ड विजेता और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर पहली बार स्क्रीन पर नजर आईं हैं। गाने में दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं और इनकी केमिस्ट्री देखने लायक है। वे साथ में बहुत प्यारे दिख रहे हैं। 'नामुमकिन' सॉन्ग को वरुण जैन, श्रेया घोषाल, सचिन-जिगर ने मिलकर गाया है। वहीं, इस गाने को अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखा है। 'मालिक' फिल्म का टीजर पिछले हफ्ते रिलीज हुआ था। इस टीजर में राजकुमार राव का खतरनाक अंदाज दिखा था, जिसमें उन्हें अपने दुश्मनों को बर्बर तरीके से मारते-काटते देखा गया था। फिल्म के टीजर ने दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे। पहली बार अभिनेता का ये अंदाज उनके फैंस देखेंगे। इस समय अभिनेता अपनी रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'भूल चूक माफ' से चर्चा में हैं। अब उन्हें फुल टू एक्शन में देखने के लिए तैयार हो जाएं।

अजीत ने तमाम उतार-चढ़ाव को पार कर फिल्मी दुनिया में बनाई खास जगह

नई दिल्ली। बॉलीवुड में 1945 से 1995 तक एक ही विलन का नाम गूंजता था - अजीत खान। उनकी रील लाइफ जितनी दमदार थी, रियल लाइफ उतनी ही मुश्किलों से भरी थी। गरीबी और जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव को पार कर उन्होंने फिल्मी दुनिया में अपनी खास जगह बनाई। हैदराबाद के गोलकुंडा में 27 जनवरी 1922 को एक मुस्लिम परिवार में जन्मे अजीत खान का असली नाम हामिद अली खान था। एक छोटी सी गली से निकलकर बॉलीवुड के सबसे खतरनाक विलेन बनने का उनका सफर आसान नहीं था। अपने आखिरी दिनों में अजीत हैदराबाद में ही रहे और 22 अक्टूबर 1998 को 76 साल की उम्र में उनका निधन हो गया।

हीरो बनकर शुरू किया कॅरियर, विलेन बनकर छाए : अजीत खान का फिल्मी सफर मुश्किलों से शुरू हुआ। उन्होंने बॉलीवुड में हीरो के तौर पर कदम रखा, लेकिन असली पहचान उन्हें विलेन के किरदारों से मिली। दर्शकों को उनकी एक्टिंग इतनी पसंद आई कि उनकी फिल्में एक के बाद एक बॉक्स ऑफिस पर हिट होती गईं। फिल्मों में आने से पहले हामिद अली खान ने अपना नाम छोटा करके 'अजीत' रख लिया था, क्योंकि उनका असली नाम काफी लंबा था।

सपनों के लिए घर छोड़ा मुंबई में झेली मुश्किलें

मीडिया खबरों के अनुसार, अजीत खान बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे। इस सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने घर छोड़ दिया और मुंबई चले आए। उनके पास पैसे नहीं थे, इसलिए उन्होंने अपनी किताबें तक बेच दीं। मुंबई में उनके पास रहने की कोई जगह नहीं थी, तो वे सीमेंट की बड़ी पाइपों में सोने लगे। उस समय कुछ गुंडे उन पाइपों में रहने वालों से पैसे वसूलते थे। पैसे न देने पर वे लोगों को मारकर भगा देते थे। एक दिन अजीत को इतना गुस्सा आया कि उन्होंने उन गुंडों से भिड़ंत कर ली। अजीत के सामने कोई गुंडा नहीं टिका और सब भाग गए। इसके बाद वहां रहने वालों के बीच उनकी खूब इज्जत हो गई। अजीत खान की जिंदगी की ये कहानी उनके जुनून और हिम्मत को दिखाती है, जिसने उन्हें बॉलीवुड का सबसे यादगार विलेन बनाया।

अमीर पति की हत्या करवाने के लिए अपने प्रेमी को फंसाती है चालाक महिला

धोखा, फरेब और हत्या, फिल्मी पर्दे पर दिखीं सोनम रघुवंशी जैसी खौफनाक कहानियां

***नई दिल्ली।** इंदौर के राजा और सोनम रघुवंशी की कहानी ने सबको हिला कर रख दिया है। पत्नी सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की, जिससे हर कोई दंग रह गया। इस तरह की घटनाएं फिल्मों में भी कई बार देखी गई हैं, जहां धोखा, साजिश और हत्या की कहानियां दर्शाई गई हैं। आइए जानते हैं ऐसी कुछ चर्चित फिल्मों के बारे में जिनमें हर मोड़ पर कुछ ऐसा ही धोखा और विश्वासघात मिलता है।*

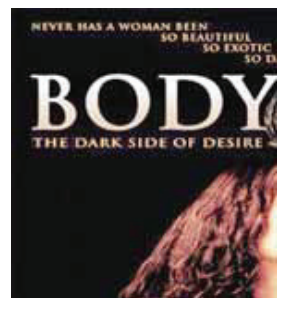

जिस्म : साल 2003 की फिल्म 'जिस्म' भी पति की हत्या की साजिश पर आधारित है। यहां एक खूबसूरत और चालाक महिला अपने अमीर पति की हत्या करवाने के लिए अपने प्रेमी को फंसाती है। कबीर लाल नाम के वकील इस साजिश में फंस जाता है, लेकिन अंत में सच्चाई सामने आती है। यह फिल्म प्यार के बहाने किए गए अपराध और लालच की कहानी बयां करती है। इस फिल्म जॉन में अब्राहिम और बिपाशा बसु मुख्य किरदार में थे।

कर्ज : इसी तरह साल 1980 की मशहूर फिल्म 'कर्ज' में भी पति की हत्या की साजिश दिखाई गई थी। अमीर रवि वर्मा की अपनी पत्नी कामिनी द्वारा संपत्ति हड़पने के लिए हत्या कर दी जाती है। फिर कहानी पुनर्जन्म की अवधारणा के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां न्याय की तलाश में नया जन्म हुआ व्यक्ति साजिश का बदला लेता है। इस फिल्म में ऋषि कपूर, सिमी गरेवाल और टीना मुनीम जैसे कलाकार थे।

लोग क्या कहेंगे : फिल्म 'लोग क्या कहेंगे' (1982) सामाजिक ड्रामा है, जिसमें एक महिला के मानसिक संघर्ष और सामाजिक दबावों को दिखाया गया है। इसमें महिला अपने पति की हत्या तक कर देती है, लेकिन यह हत्या अधिकतर मानसिक असंतुलन और परिवार के तनाव के कारण होती है। शबाना आजमी ने इस फिल्म में दमदार अभिनय किया है, जो समाज की कठोर सोच और महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को दर्शाती है।

फरेब : साल 2005 में आई फिल्म फरेब में भी इसी तरह की कहानी को दिखाया गया था। इस इरोटिक थ्रिलर में शिल्पा शेट्टी, शमिता शेट्टी और मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में थे। कहानी में एक डॉक्टर और उसकी पत्नी के रिश्तों में जब पड़ोसी महिला की एंट्री हो जाती है, तो अफेयर और धोखे की घटनाएं सामने आती हैं। जब पत्नी को पति की बेवफाई का पता चलता है, तो दोनों के बीच तनाव गहराता है और एक दिन अचानक पड़ोसी महिला की हत्या हो जाती है। इसके बाद जब एक-एक कर मामले की परतें खुलती हैं तो पैरों तले जमीन खिसक जाती है।

समाज की जटिलताओं को करती हैं उजागर : *इन फिल्मों में पति की हत्या या हत्या की साजिश को अलग-अलग कारणों से दिखाया गया है, चाहे वह संपत्ति का लालच हो, धोखा हो या फिर मानसिक संघर्ष। ये कहानियां समाज की जटिलताओं को पर्दे पर उजागर करती हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि रिश्तों में कभी-कभी कितनी गहराई और अंधेरा होता है।*

पोषण कार्यक्रम में लाएं गुणवत्तापूर्ण सुधार : जयवर्धन

कलेक्टर ने की महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर एस जयवर्धन ने पोषण कार्यक्रम में सुधार के निर्देश दिए है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। जिसमे विभागीय योजनाओं की प्रगति, कुपोषण की स्थिति और पोषण ट्रैकर ऐप के उपयोग की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बैठक में महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर की गतिविधियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बालिकाओं के समग्र विकास के लिए चलाई जा रही सुकन्या समृद्धि योजना की प्रगति की भी समीक्षा हुई, साथ ही समय पर खाता खोलने एवं अभिभावकों को जागरूक करने पर बल दिया गया। बाल विवाह की रोकथाम की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बाल विवाह रोकने हेतु ग्राम स्तर जनजागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाए। सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं की समीक्षा करते हुए महिलाओं को समय पर परामर्श, विधिक सहायता एवं संरक्षण उपलब्ध कराने पर एवम इस सेंटर के प्रति जागरूकता पर विशेष जोर

दिया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में पोषण ट्रैकर ऐप में एंट्री में आ रही विसंगतियों पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं ऐप में प्रतिदिन की प्रविष्टि सही और समय पर करें, जिससे पोषण कार्यक्रम की सटीक मॉनिटरिंग और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके। कलेक्टर ने बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के कुपोषण से संबंधित आँकड़ों का विस्तृत विश्लेषण करने, वास्तविक स्थिति जानने तथा इसके कारणों को समझकर सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चा वाइज डाटा का विश्लेषण कर प्रभावी रणनीति बनाई जाए ताकि बच्चों को समय रहते सुपोषित किया जा सके।साथ ही, कुपोषित बच्चों को सुपोषण की ओर लाने के लिए माता-पिता, सरपंच, सचिव सहित अन्य को इस उद्देश्य में शामिल करने को कहा, ताकि समुदाय स्तर पर जागरूकता और सहभागिता बढ़ सके। उन्होंने सभी सीडीपीओ को निर्देशित किया कि पोषण ट्रैकर में वजन, ऊंचाई और फेस कैप्चर जैसी प्रविष्टियों के लिए समस्त कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाए। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्रों में भोजन की गुणवत्ता, बच्चों की उपस्थिति, समय पर केंद्र खुलने-बंद होने की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। पंडो जनजातीय क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने परियोजनावार केंद्रों में पेयजल, शौचालय, विद्युतीकरण और साफ-सफाई की स्थिति की जानकारी ली और इन व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे वे अन्य के लिए प्रेरणा बन सकें।

स्वास्थ्य गतिविधियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधितों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को एनीमिया, मैटरनल प्रोग्राम जैसी बीमारियों पर प्राथमिकता से काम करने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में चिकित्सा ढांचे को सशक्त बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है ताकि जिलेवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो सके। बैठक में उन्होंने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान और उपचार के रेगुलर मॉनीटरिंग और फॉलोअप पर विशेष फोकस करने की बात कही ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को नग्णय किया जा सके।

बैठक में आयुष्मान वय वंदना कार्ड के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक इस योजना का लाभ मिले इसके लिए उन्होंने सीएमएचओ को प्रधान मंत्री वय वंदना योजना हेतु जून माह में ही महाअभियान करवाने के निर्देश दिए। बैठक में सीएमएचओ डॉ कपिल पैकरा, सिविल सर्जन डॉ अजय मरकाम, चिकित्सा अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में लगे कृषि शिविरो में 1106 किसान हुए लाभान्वित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में विगत दिवस दो पालियों में कृषि शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों से अवगत कराना, उनकी समस्याओं का समाधान करना तथा नवीन कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करना रहा। शिविरों में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ कृषि वैज्ञानिक, कृषि सखी, कृषक मित्र, पशु सखी तथा प्रगतिशील कृषकों ने सहभागिता की। इस दौरान किसानों को मोटे अनाज (मिलेट्स) की खेती, फसल चक्र परिवर्तन, प्राकृतिक और जैविक खेती, उन्नत बीज एवं कृषि यंत्रों का उपयोग, जल संरक्षण, मूल्य संवर्धन, पशुपालन एवं उद्यानिकी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

एक और आदतन बदमाश किया गया तड़ीपार, दो दिन में दो लोग किये गए जिलाबदर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अवैध कार्यो सहित आदतन अपराधिक गतिविधि में संलिप्त व्यक्ति के विरूद्ध सूरजपुर पुलिस के द्वारा लगातार सख्ती बरती जा रही है। गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के कारण सूरजपुर पुलिस ने एक और आदतन बदमाश के विरूद्ध जिला बदर की अनुशंसा की थी जिस पर कलेक्टर ने आदतन अपराधी को 6 माह की अवधि के लिए जिलाबदर का आदेश जारी किया है। जिले में शांती एवं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाये रखने के लिए अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों एवं आदतन आरोपियों पर सतत निगरानी रखी जा रही हैं और अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्यवाही भी की जा रही है।

इसी तारतम्य में डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के अनुशंसा पर कलेक्टर एस. जयवर्धन ने जिले के आदतन अपराधी सत्येन्द्र कुमार राय उर्फ सत्येन्द्र तिवारी उर्फ मोनू पिता रामप्यारे उम्र 37 वर्ष निवासी नगर पंचायत प्रेमनगर, थाना प्रेमनगर के विरूद्ध जिला बदर का आदेश जारी किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा-5 के तहत दाण्डिक प्रकरण में पारित आदेश के अनुसार आदतन अपराधी सत्येन्द्र कुमार राय उर्फ सत्येन्द्र तिवारी उर्फ मोनू को 10 जून 2025 से जिला सूरजपुर तथा समीपवर्ती राजस्व जिला सरगुजा, कोरबा, कोरिया, बलरामपुर-रामानुजगंज, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (छत्तीसगढ), सिंगरौली मध्यप्रदेश जिला क्षेत्र से 6 माह की अवधि के लिए बाहर चले जाने और जब तक यह आदेश लागू रहेगा, बिना वैधानिक पूर्व अनुमति लिए इस जिले एवं उल्लेखित जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं करने, आदेश का पालन न करने पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।आदतन अपराधी सत्येन्द्र कुमार राय उर्फ सत्येन्द्र तिवारी उर्फ मोनू के विरूद्ध कुल 09 प्रकरण जिनमें 3 मारपीट गाली-गलौज, एसटीएससी एक्ट सहित शासकीय कार्य में बाधा, शासकीय सेवा को अभित्रास करना एवं मेडिकल प्रो. एक्ट के तहत, 1 अपराध उद्दीपन सहित एसटीएससी एक्ट एवं 05 बार परिशांति कायम रखने प्रतिबंधक धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है।

मालवाहक वाहनों के शहर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग

कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रदेश महासचिव ने जिला प्रशासन को सौपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव सैय्यद आमिल हुसैन ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल के साथ कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर भारी मालवाहक एवं कोयला लोड वाहनों के शहर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में सूरजपुर शहर में भारी एवं मालवाहक वाहन - हाईवा, ट्रक के शहर में प्रवेश करने एवं तेज रफ्तार से वाहन चालन से निरंतर दुर्घटना कारित हो रही है, जिससे जन हानि के साथ-साथ शहर की सड़को की स्थिति भी खराब हो रही है। आगामी वर्षा ऋतु में भारी वाहनो के परिचालन से सड़को की स्थिति और अधिक खराब होने की संभावना है, जिससे सड़क दुर्घटना भी बढ़ेगी। सैय्यद आमिल ने कहा कि जनहित एवं सड़क सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारी एवं मालवाहन के नगर में प्रवेश पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाते हुए केवल बाईपास मार्ग से भारी वाहनो के परिचालन कराये जाने का आदेश पारित प्रशासन द्वारा किया जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ एनएसयूआई प्रदेश महासचिव कौनेन अंसारी, रजा अंसारी, राजू पाटले, वसीम अली, हैदर अली, देव सिंह, फरहान अब्बास, अजय, शिव आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीणों का मनोबल बढ़ाना एवं समन्वय स्थापित करना ही योजनाओं के सफलता की है कुंजी : कामलेशनन्दनी

जिपं सीईओ ने किया विभिन्न कार्यो का निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को जिपं सीईओ श्रीमती कमलेश नंदनी साहू ने कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देश पर जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में चल रहे मोर गांव मोर पानी महाअभियान, मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्यों का औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों की जमीनी हकीकत का जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत मानी में अमृत सरोवर और रिचार्ज पिट, लोलकी में मिट्टी बांध, गैबियन और सोक्ता गड्ढा, पहिया में अमृत सरोवर और चंदौरा में मिट्टी बांध के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी वर्षा ऋतु से पहले सभी आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता दी जाए ताकि ग्रामीणों को खेती के लिए अधिकतम जल स्रोत उपलब्ध हो सके। इससे खरीफ के साथ-साथ रबी की फसल की भी अच्छी पैदावार सुनिश्चित हो सकेगी, जिससे ग्रामीणों की आय में सीधा इजाफा होगा।

सीईओ श्रीमती साहू ने कहा कि ग्रामीणों के मनोबल को बढ़ाना और सभी हितग्राहियों का समन्वय स्थापित करना ही योजनाओं की सफलता की कुंजी है। इस दिशा में समन्वित प्रयासों की जरूरत है।

आवास योजना में लाएं गति

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत ग्राम पंचायत चंदौरा, पहिया, मानी, और लोलकी में चल रहे आवास निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय महिलाओं, ग्राम पंचायत मेट, रोजगार सहायक, और सचिव को आपसी समन्वय बनाकर तय समय सीमा में सभी आवास पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवास की किस्तों का भुगतान समयबद्ध रूप से किया जाए ताकि निर्माण में कोई बाधा न आए। सभी हितग्राहियों को अपने पक्के मकानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे जल संरक्षण और सतत कृषि को बढ़ावा मिल सके। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदनी निरंतर ग्राम स्तर पर योजनाओं की निगरानी कर रही हैं ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उनके सक्रिय निरीक्षण और दिशा-निर्देशों से न केवल कार्यों में पारदर्शिता आई है, बल्कि ग्रामीणों के बीच भरोसा और उत्साह भी बढ़ा है। यह निरीक्षण न केवल योजनाओं की प्रगति का आकलन था, बल्कि अधिकारियों और ग्रामीणों को एक प्रेरणा भी थी कि यदि समन्वय और संकल्प हो, तो विकास की राह आसान हो सकती है।

शिक्षा न्याय आंदोलन में शहर कांग्रेस ने घेरा बीईओ कार्यालय, किया प्रदर्शन

सरकार पर शिक्षा के मंदिरों में राजनीति करने का लगाया आरोप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर पूरे प्रदेश में शिक्षा न्याय आंदोलन के साथ शिक्षा न्याय यात्रा के चल रहे चरणबद्ध आंदोलन में शहर कांग्रेस कमेटी के द्वारा स्थानीय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन व नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष संजय डोसी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में उपस्थित शहर कांग्रेस व किसान कांग्रेस के पदाधिकारी के साथ युवक कांग्रेस व एनएसयूआई सहित नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्थानीय रंगमंच से बीईओ कार्यालय तक रैली निकाल कर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। हाथों में तख्तियां लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने सरकार पर शिक्षा के मंदिरों में राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा की सरकार प्रदेश में 10 हजार स्कूल बंद

करने का षड्यंत्र रच रही है। जिससे निजी विद्यालयों को सीधा लाभ मिलेगा। वहीं कहा कि युक्तियुक्तकरण के माध्यम से सरकार की नीतियां रोजगार विरोधी नीति के रूप में है। जिसका विरोध पूरा शिक्षा जगत कर रहा है। इस दौरान बीईओ कार्यालय को घेर कर मुख्य द्वार पर नारेबाजी करते हुए कांग्रेस के कार्यकर्ता काफी समय तक वहां धरने पर बैठे रहे और बाद में तहसीलदार इजराईल खान व बीआरसी मनोज मंडल के समझाईस पर शहर कांग्रेस के कार्यकर्ता वहां से हटे। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात था। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत बीईओ कार्यालय घेराव में किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष रामकृष्ण ओझा, विमलेश दत्त तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े, पूर्व एआईसीसी सदस्य सुनील अग्रवाल, शकील हुसैन, पार्षद पारसनाथ राजवाड़े, प्रवेश गोयल, मंजूलता गोयल, सावित्री शर्मा, इम्तियाज़ खान, युंकाध्यक्ष परमेश्वर राजवाड़े, शक्ति ठाकुर, सैयद आमिल, कौनेंन अंसारी, अजय सोनवानी, पवन साहू, शान्तु डोसी, राजपाल कसेरा, गिरधारी साहू, हरि साहू, मधु साहू, शिवम साहू, राजेश साहू, इमरान इराकी, मोहम्द अजहर, जब्बारुल हक, ईशु डालमियां, मोंटू साहू, आशीष सिंह, सौरभ सिंह बघेल, राजू पाटले, रजा अंसारी, आर्यन साहू, हैदर, भोला राम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस व अनुसांगिक संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के सम्बंध में कलेक्टर ने ली प्रेसवार्ता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार को यहां कलेक्ट्रेट कक्ष में कलेक्टर एस.जयवर्धन ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के संबंध में प्रेसवार्ता आयोजित कर उसके उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और आजीविका में व्याप्त अंतराल को समाप्त करके जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों का समग्र और सतत विकास करना है।उन्होंने बताया कि धरती आबा जनभागीदारी अभियान अंतर्गत राष्ट्राव्यापी जागरूकता सह लाभ संतृप्ति शिविर का आयोजन किया जाना है,जिसका उद्देश्य अंतिम व्यक्ति को पात्रता अनुसार व्यक्तिगत लाभों से संतृप्त किया जाना और इस अभियान के प्रति जन जागरूकता उत्पन्न किया जाना है। उन्होंने सभी पत्रकारो से अपील की कि जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत लगने वाले शिविर के प्रचार प्रसार में

सहयोग प्रदान करें और इसका वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। इस अवसर पर आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त घनश्याम कुमार ने अभियान के विषय पर संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी। उन्होंने बताया कि जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना अंतर्गत 284 ग्राम पंचायत का चिन्हांकन किया गया है। जिसमें विकासखंड सूरजपुर 34, प्रतापपुर 110 भैयाथान 25 ओड़गी 46, प्रेमनगर 28 एवं रामानुजनगर में 41 ग्राम पंचायतों का चिन्हांकन किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि इन ग्रामों का क्लस्टर बनाकर शिविर लगाया जायेगा और इन शिविर में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जनधन खाता, किसान क्रेडिट कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, उज्जवला, राशन कार्ड इत्यादि से जनजातीय बाहुल्य ग्रामों के जनजातीय परिवारों को संतृप्त किया जाना है। इस दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

शहीद एएसपी आकाश राव की शहादत को नमन करते हुए पुलिस परिवार ने दी श्रद्धांजलि

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरपुंजे द्वारा देश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने पर शहीद के वीरता एवं पराक्रम कों याद करते हुए एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के दिशा निर्देशन में पुलिस लाईन में वीर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। एसएसपी ने वीर शहीद के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजली दी। उन्होंने श्री आकाश राव गिरपुंजे के कार्यकाल के बारे में बताया

कि वे काफी साहसी थे, दुर्गम इलाको में खुद टीम को लीड कर ले जाते थे और सभी की सुरक्षा का विशेष ध्यान देते थे, ऐसे जांबाज व होनहार पुलिस अधिकारी की शहादत को देश कभी भुला नहीं सकता। देश की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए दिया गया उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। वीर शहीद आकाश राव गिरपुंजे को जिले के पुलिस अधिकारी एवं जवानों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर सभी ने शहीद के परम बलिदान एवं पराक्रम कों याद करते हुए पुष्प अर्पित कर सलामी दी। तत्पश्चात सभी पुलिस अधिकारियो, कर्मचारियों द्वारा 02 मिनट का मौन धारण किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, एसडीओपी अभिषेक पैंकरा, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक लक्ष्मण सिंह धुर्वे, प्रकाश राठौर सहित पुलिस लाईन के अधिकारी व जवान उपस्थित रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

कांग्रेस ने ग्रामीणों के साथ सहकारी समिति को घेरा, 24 घंटे में एनपीके उपलब्ध कराने का मिला आश्वासन

सुखरी सहकारी समिति के अधीनस्थ गांवों को असिंचित घोषित करने और एनपीके की जगह दूसरा उर्वरक देने का विरोध

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सुखरी सहकारी समिति के अधीनस्थ गांवों को असिंचित घोषित करने और एनपीके की जगह 20:20:0 उर्वरक देने के विरोध में कांग्रेस ने ग्रामीणों के साथ मिलकर सहकारी समिति का घेराव किया। कांग्रेस के कड़े रुख के बाद प्रशासन ने समिति में 24 घण्टे में एनपीके उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

घुनघुट्टा परियोजना के सिंचित क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सुखरी समिति के गावों को इस बार असिंचित घोषित कर किसान क्रेडिट कार्ड बनाया गया है, जिससे किसानों का ऋण सीमा 50 हजार प्रति एकड़ से घटकर 40 हजार रुपये रह गया। जरूरत पड़ने पर वे फसल बीमा फायदे का समुचित लाभ भी नहीं ले सकेंगे। इधर किसानों के मन में घुनघुट्टा बांध से भविष्य में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिलने का डर सता रहा है। ग्रामीणों की मांग पर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और किसान नेता

राकेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेश मलिक, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष विनय शर्मा, नुरुल अमीन सिद्दीकी ने सहकारी समिति के प्रबंधक से वस्तुस्थिति की जानकारी ली। प्रबंधक ने बताया पूर्व में यह क्षेत्र सिंचित था, इस बार जिला स्तर पर इसे असिंचित बता प्रकरण तैयार करने का निर्देश मिला था। उन्होंने सरगुजा की फसल के अनुरूप एनपीके 12:32:16 की जगह 20:20:0 उर्वरक मिलने की जानकारी दी। किसान नेता राकेश गुप्ता ने बताया सरकार द्वारा दिया जा रहे 20:20 खाद की कीमत 250 रुपये प्रति बोरी बढ़ा दी गई है। इस खाद को प्रति एकड़ 50 किलो की जगह 70 किलो डालना पडेगा, इसके साथ पोटाश भी खेतों में डालना आवश्यक है। इन सबके बाद भी एनपीके 12:32:16 के उपुयोग की तुलना में फसल 10 से 30 प्रतिशत तक प्रभावित होगी। इस बीच कांग्रेस के घेराव की सूचना पर जिला विपणन कार्यालय से एक ट्रक खाद सुखरी समिति को उपलब्ध कराया गया। डीएमओ के प्रतिनिधि ने कल तक 2 ट्रक 20:20 और एक गाड़ी एनपीके 12:32:16 उपलब्ध कराने का भरोसा दिया है। इस दौरान शैलेन्द्र सोनी, आशीष वर्मा, नीतीश चौरसिया, फैसल सिद्दीकी, सुरेंद्र गुप्ता, लोलर सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे।

सिंचित को असिंचित और जरूरत का खाद नहीं देना किसानों के साथ छल-टीएस

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने किसानी का मौसम शुरू होने से पहले समितियों में एनपीके 12:32:16 की अनुपलब्धता और सिंचित क्षेत्रों को असिंचित बताने पर चिंता जताते हुए इसे किसानों के साथ छल कहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री से तत्काल इस दिशा में पहल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन में सर्वाधिक प्रचलित डीएपी 12:32:26 खाद की अनुपलब्धता एवं उपलब्ध एनपीके 20:20:0 की कीमत में गुपचुप तरीके से 250 रुपये प्रति बोरी की वृद्धि अनुचित है। खाद की उपलब्धता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों की उदासीनता देख ऐसा लगता है कि किसानों की चिंताएं बढ़ने वाली हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के कृषि मंत्री एनपीके खाद उपलब्ध कराने में अपनी असमर्थता जता चुके हैं। किसान भाजपा सरकारों की प्राथमिकता में कभी नही रहे हैं, यही कारण है कि दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था होने जा दावा करने वाली सरकार विदेशों से आयात होने वाले डीएपी के लिए विदेशी मुद्रा खर्च करने से बच रही है, भले ही किसान की पैदावार प्रभावित हो जाए। बड़ी बात यह है कि एनपीके खाद खुले बाजार में मौजूद है, लेकिन सहकारी समितियों में सरकार इसे उपलब्ध ही नहीं करा पा रही है। सरकार इस मामले में उदासीन रवैया अपनाएगी तो निश्चित ही प्रदेश के गरीब किसान खाद की कालाबाजारी के चपेट में आएंगे जो उनके आर्थिक हितों पर नकारात्मक प्रभाव डालेगी।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान का चेक जरुरतमंदों को दिया विधायक ने, दिव्यांगों के चेहरे दमक उठे

छ.ग.फ्रंटलाइन लुण्ड्रा। लुण्ड्रा जनपद पंचायत के सभागार में 11 जून बुधवार, कबीर जयंती के अवसर पर विधायक प्रबोध मिंज एवं जनपद अध्यक्ष कृष्णा पावले, जनपद उपाध्यक्ष कंचन जायसवाल व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में 100 हितग्राहियों को 10-10 हजार रुपये का मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान का चेक एक कार्यक्रम आयोजित करके प्रदान किया गया। इसका लाभ अधिकांश दिव्यांगों एवं आर्थिक तथा शारीरिक रूप से रूप से कमजोर तबके के वर्ग को मिला। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने भारतीय जनता पार्टी के सेवा व सुशासन नीति का परिचय देते हुए स्वेच्छानुदान की राशि देने के लिए बकायदा गांव में सर्वे करवाया और वास्तविक तौर पर पात्रता रखने वाले जरूरतमंदों का चिन्हांकन करके लाभान्वित किया। हितग्राहियों में 80 प्रतिशत दिव्यांग व 20 प्रतिशत आर्थिक व शारीरिक रूप से कमजोर तथा वृद्ध

शामिल हैं, वहीं कई लोग दिव्यांग होने की वजह से कोई कार्य नहीं कर पाते हैं, भीख मांग जीवन यापन करते हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष लुण्ड्रा सतीश जायसवाल, मंडल अध्यक्ष धौरपुर संजय गुप्ता, जनपद सदस्य लुण्ड्रा राजेश सोनी, जनपद सदस्य प्रमिला लकड़ा, मंडल उपाध्यक्ष अभिषेक पावले, धनेश्वर सिंह, संवाद प्रमुख राजीव कश्यप, सोशल मीडिया प्रभारी शिवनारायण, सरपंच लुण्ड्रा सोमार साय सहित मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रीति भगत एवं जनपद कार्यालय के स्टाफ उपस्थित थे।

दिव्यांगों के आंखों से छलके आंसू

दोनों पैर से विकलांग खालपोड़ी निवासी सोनसाय मरकाम तथा लुण्ड्रा के कुंवर लोहार एक पैर तथा दोनों आंखों से दिव्यांग ठुरु को जैसे ही चेक मिला, उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा आज तक कोई भी सरकार या विधायक से शासन की ओर से उन्हें सहायता राशि नहीं मिली थी। विधायक प्रबोध मिंज के द्वारा चेक के माध्यम से दी गई राशि से उन्होंने सब्जी दुकान, चाट, अंडा ठेला, पान ठेला जैसे दुकान की शुरुआत कर जीविका का रास्ता निकालने की इच्छा जाहिर की।

सरस्वती महाविद्यालय में प्री-पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर के सरस्वती महाविद्यालय में प्री-पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा सत्र 2024-25 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान कुल 158 शोधार्थियों को उपस्थित होना

था, जिनमें से 3 शोधार्थी कंप्यूटर साइंस, पॉलिटिकल साइंस एवं कॉमर्स के अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय से नियुक्त पर्यवेक्षक प्रवीण कुमार अग्रवाल डिप्टी रजिस्ट्रार, असीम केरकेट्टा सहायक प्राध्यापक, डॉ. धीरज कुमार यादव सहायक प्राध्यापक, डॉ. जुनैद खान सहायक प्राध्यापक विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग एवं सरस्वती महाविद्यालय के प्राचार्य वरिष्ठ केंद्राध्यक्ष ऋषि सिंह, केंद्राध्यक्ष किशन कुमार सारथी, सहायक केंद्राध्यक्ष धर्मेंद्र श्रीवास्तव के नेतृत्व में परीक्षा संपन्न हुई।

प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करने के लिए उकसाने का आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के राजपुर थाना अंतर्गत ग्राम लाउ में धर्म परिवर्तन के लिए उकसाने के आरोप पर पुलिस ने दो लोगों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। रामबली मिंज ने पुलिस को बताया है कि धर्म विशेष के लोगों द्वारा ग्राम लाउ, बैढी के चिटियापारा में लाउडस्पीकर लगाकर गांव के भोले-भाले हिन्दु आदिवासी एवं अन्य समाज के लोगों को प्रलभोन देकर धर्म परिवर्तन करने के लिए उकसाया जा रहा है। इनके द्वारा इसाई धर्म अपनाने से बीमारियों के दूर होने, आर्थिक परेशानी का समाधान उनकी संस्था के द्वारा करने, इसाई संस्थाओं में मुफ्त पढ़ाई, मुफ्त इलाज और आर्थिक रूप से मजबूती के लिए कुछ पैसों की व्यवस्था करने, पढ़ाई के बाद शासकीय विभाग में बड़े पदों पर नौकरी लगवा देने जैसा प्रलोभन देने का आरोप लगाया गया है। बताया गया है कि जहां इस प्रकार की भ्रामक बातें की जा रही थी, वहां करीब 200 लोगों की भीड़ जमा थी और कोई स्वास्थ्य सुविधा जैसी व्यवस्था आपात परिस्थिति के लिए नहीं थी। आयोजन परशु बेक एवं संदीप भगत के द्वारा किया गया था।

जाली चोरी करके भाग रहे बाइक सवार पकड़ाए

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जाली चोरी करके मोटरसायकल सवारों को ग्रामीणों के सहयोग से पकड़ने में सफलता मिली। आरोपियों के विरूद्ध कोतवाली थाना में सर्किल खैरबार, परिक्षेत्र अंबिकापुर के वनरक्षक नवीन प्रताप सिंह ने केस दर्ज कराया है। जानकारी के मुताबिक बुधवार की रात को लगभग 7.30 बजे खैरबार सर्किल से एक बंडल तार चोरी करके मोटरसायकल सवार भाग रहे थे। इन्हें बधियाचुआं में ओपीएस स्कूल के पास ग्रामीणों के सहयोग से कब्जे में लिया गया। पूछताछ में इन्होंने अपना नाम संतोष उपाध्याय, रिजवान अंसारी और रेहान अंसारी बताया, जो पानी टंकी के पास के रहने वाले हैं। आरोपी मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 सीके 0601 में जाली चोरी करके भाग रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 303(2), 3(5) बीएनएस का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की है।

रामगढ़ महोत्सव में पहुचे वित्त मंत्री ने कहा- ऐसा लग रहा है अपने पुराने गांव में आया हूं

दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का समापन, विभिन्न आयोजनों ने दर्शकों को मोहित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का समापन वित्त मंत्री ओपी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में गुरुवार को हुआ। समापन समारोह की शुरूआत भगवान श्री राम के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। मंत्री ओपी चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा आज पुराने दिन याद आ रहे हैं। सोलह वर्ष पहले जब वे जिला पंचायत सरगुजा के सीईओ थे, तब यहां आना हुआ था। ऐसा लग रहा है जैसे मैं फिर अपने पुराने गांव में आया हूं। उन्होंने कहा कि में पिछले डेढ़ वर्ष से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में सरकार ने 18 लाख गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए हैं, 70 लाख दीदियों को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार की राशि दी जा रही है, हमने किसान भाइयों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ में धान खरीदा। सरगुजा और बस्तर पर सरकार की नजर है। उन्होंने कहा वित्त मंत्री के रूप में पहला बजट जब उन्होंने प्रस्तुत किया

तब सरगुजा एवं बस्तर जैसे अंचल, जो विकास की धारा में पीछे रह गए थे, उनके विकास के लिए कई प्रावधान किए गए, आगे भी हमसे जो भी हो सकेगा करेंगे। रामगढ़ के लिए सरगुजा जिला जो चाहेगा, उस दिशा में कार्य होंगे। इन पहाड़ियों पर हमारी परंपरा के सबसे बड़े कवियों में कालिदासजी ने मेघदूतम की रचना की थी। इनकी पावन स्मृतियों को आप सभी ने संजोकर रखा है। मेले के कार्य को बजट में शामिल करके एक रेग्युलर व्यवस्था कराने का कार्य भी सरकार के माध्यम से किया जाएगा, ताकि आगे भी इस तरह के आयोजन अच्छे तरह से होते रहें। इस अवसर पर सांसद सरगुजा चिन्तामणी महाराज, अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष निरुपा सिंह, नगर पालिका निगम की महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, जिला पंचायत सदस्य राधा रवि, रायमुनिया करियाम एवं प्रदीप सिंह, उदयपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, उपाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंहदेव, सरपंच पूटा नन्दराम, विनोद हर्ष, भारत सिंह सिसोदिया, आलोक दुबे के अलावा कलेक्टर विलास भोसकर, एसपी राजेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सरगुजा ए.एल. ध्रुव, जिले के अधिकारी-कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे।

हितग्राहीमूलक सामग्रियों का वितरण

इस अवसर पर अतिथियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। उद्यानिकी विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को लीची पौधा, कृषि विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को कोदो बीज और 10 हितग्राहियों को सॉइल हेल्थ कार्ड, मछली पालन विभाग द्वारा 5 जाल एवं 1 आइस बॉक्स सहित अन्य विभागों के हितग्राहियों को आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। विभागीय स्टॉलों में आमजनों को हितग्राहीमूलक योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से सजी संध्या

रामगढ़ महोत्सव के समापन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विभिन्न कलाकारों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। विभिन्न विधाओं के नृत्य शैली और नाटक के माध्यम से देश की कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। खैरागढ़ संगीत विद्यालय के मोक्षम ग्रुप ने श्री राम स्तुति पर मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति दी। छात्र-छात्राओं श्री राम एवं केवट संवाद की जीवंत प्रस्तुति दी, जिसने सभी का मन मोह लिया। एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने देर शाम तक दर्शकों को बांधे रखा।

कलेक्ट्रेट परिसर में किया पौधारोपण

छत्तीसगढ़ शासन के वित्त मंत्री एवं सरगुजा जिले के प्रभारी मंत्री ओ.पी. चौधरी ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में चंदन का पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पेड़ से टकराकर घायल हुए बाइक सवार की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पेड़ से टकराकर घायल हुए मोटरसायकल सवार की इलाज के दौरान मौत हो गई। राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगचैरा निवासी भरथरी चेरवा ने पुलिस को बताया है कि 11 जून को शाम लगभग 6 बजे उसका साढू गुडन ग्राम गोपालपुर में गेहूं पीसने के लिए दिया था, जिसे लेने मोटरसायकल से निकला था। आटा लेकर शाम लगभग 7 बजे गुडन उसके घर ग्राम सिंगचैरा आया। यहां कुछ देर रूकने के बाद वह वापस अपने घर चिलमाकला जाने के लिए निकला था। रात करीब 8 बजे पड़ोसी आनंद चेरवा ने फोन करके बताया कि उसका साढू गुडन, सिंगचैरा मुख्य मार्ग में मोड़ के पास मोटरसायकल से गिर गया है। सूचना पाकर जब वह घटनास्थल के पास पहुंचा तो उसका साढू गुलमोहर के पेड में टकराकर गिर गया था, उसके चेहरे व पैर में चोट आई थी।

कांग्रेस की साजिशें होंगी बेनकाब, जनता देगी जवाब: ओपी चौधरी

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की 11 वर्षों की उपलब्धियों को वित्त मंत्री ने किया साझा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे संकल्प से सिद्धि अभियान अंतर्गत वित्त व जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक नई दिशा, नई गति और नए सोच के साथ विकास यात्रा को रफ्तार दी है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की त्रि-सूत्रीय नीति पर केंद्रित यह सरकार हर वर्ग को साथ लेकर 'विकसित भारत' की ओर अग्रसर है। मोदी सरकार ने 11 वर्षों में जो किया, वह कांग्रेस 60 वर्षों में नहीं कर सकी, कांग्रेस की साजिशें बेनकाब होंगी और जनता उन्हें जवाब देगी।

केंद्र सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि भारत आज पांचवीं नहीं, तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। रुपये की ताकत, विदेशी निवेश, उत्पादन (मेक इन इंडिया) और व्यापार के नए कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेन-देन में भारत का विश्व में पहला स्थान है, पीआई, भीम ऐप के माध्यम से आम नागरिकों को तकनीकी से जोड़ा गया एवं ई-गवर्नेंस से पारदर्शिता बढ़ी है। रक्षा और रणनीतिक पहल की जानकारी देते हुए श्री चौधरी ने कहा अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर को मुख्यधारा में जोड़ा गया, सेनाओं को आधुनिक हथियार, बुलेट प्रूफ जैकेट, एयर क्राफ्ट की आपूर्ति तथा और एलओसी पर संरचनात्मक निर्माण किए गए हैं। पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा के क्षेत्र में 2.5 करोड़ पौधारोपण, जलवायु समझौते में सक्रिय भागीदारी, सौर ऊर्जा, बायोफ्यूल और हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत, 42 प्रतिशत ऊर्जा उत्पादन अक्षय स्रोतों से किए जा रहे हैं। भ्रष्टाचार मुक्त शासन एवं सुधार एक भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। 350 से अधिक नीतिगत सुधार, एकल खिड़की प्रणाली, पीएम गति शक्ति पोर्टल से तेजी तथा डीबीटी के माध्यम से योजनाओं का सीधा लाभ जानता को मिल रहा है। प्रेस को संबोधित करते हुए अपने प्रस्तावना उद्बोधन में भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए गौरव का विषय है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों की विकास यात्रा पूरी की है। यह केवल सरकार की उपलब्धियां नहीं, बल्कि जनभागीदारी से गढ़ी गई एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव है। अतिथियों एवं मीडिया कर्मियों का आभार संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम के जिला प्रभारी रजनीश पांडेय ने की। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि महाराज, विधायक प्रबोध मिंज व रामकुमार टोप्पो, महापौर मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर, पूर्व जिला अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला महामंत्री देवनाथ सिंह, जिला सह संवाद प्रमुख रूपेश दुबे, मयंक जायसवाल, सचिन अग्रवाल, मीडिया प्रतिनिधि सहित अन्य उपस्थित थे।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर